राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 142 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, शनिवार, 04 दिसम्बर 2021 | मूल्य: 1.50/-

मयंक का सैकड़ा

भारतीय ओपनर बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में नाबाद शतक (120) लगाते हुए सुनील गावस्कर का दशकों पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया।

ओमिक्रॉन डरावना...जानलेवा नहीं!

बूस्टर डोज और बच्चों के टीकाकरण पर जल्दबाजी में नहीं है सरकार : मांडविया

नई दिल्ली

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन ने इस वक्त दुनियाभर में हड़कंप मचा रखा है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कहा है कि अभी तक इस नए वैरिएंट से किसी भी व्यक्ति की मौत की खबर नहीं सामने आई है। WHO ने कहा है कि वो वैरिएंट ऑफ कंसर्न ओमिक्रॉन को लेकर और डेटा जुटा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की स्वा-

स्थ्य एजेंसी ने कहा कि कई देशों में फैलने के बावजूद अभी तक ओमि-क्रॉन के कारण मौत की खबर प्रकाश में नहीं आई है। ओमिक्रोन सामने आने के बाद वैक्सीन की बूस्टर डोज और बच्चों के टीककरण को लेकर सवाल हो रहे हैं। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि वैज्ञानिक सलाह पर सरकार बच्चों के टीकाकरण और बूस्टर डोज पर निर्णय लेगी। मंत्री ने लोकसभा में कोरोना की स्थिति पर मैराथन चर्चा के दौरान अपने जवाब में कहा कि विशेषज्ञ टीम बच्चों के लिए टीकाकरण और बूस्टर खुराक के बारे में फैसला करेगी। वैज्ञानिक सलाह पर आगे बढ़ेंगे। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों से वैज्ञानिकों पर भरोसा करने की अपील की। इस बीच दुनिया में ओमिक्रॉन को लेकर हड़कंप मचा है। अमेरिका जैसे देश अपने यहां अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को लेकर तरह-तरह की पाबंदियां लगा रहे हैं। इस बीच कुछ वैज्ञानिकों ने इस नए वेरिएंट को खतरनाक बताकर लोगों में डर पैदा करने का काम किया है।

16 हजार लोगों का RT-PCR टेस्ट

मांडविया ने शुक्रवार को संसद को बताया कि 'जोखिम वाले' देशों के 16 हजार यात्रियों के आरटीपीसीआर टेस्ट अब तक किए गए हैं। इनमें से 18 कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ये यात्री ओमिक्रोन वैरिएंट से संक्रमित हैं या नहीं? इसका पता लगाने के लिए इनके सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग चल रही है। लोकसभा में महामारी पर बहस के दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश को भविष्य की किसी भी चुनौती के लिए तैयार रहने के उपाय किए हैं और बफर स्टाक नीति को अपनाया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी राज्यों के पास आगे कभी भी कोरोना के मामलों में इजाफा से निपटने के लिए पर्याप्त दवाएं हों।

40 + को बूस्टर डोज की जरूरत

इस बीच भारत में सार्स-सीओवी-2 जीनोमिक सीक्वेंसिंग कंसोर्टियम (इंसाकाग) के मुताबिक अभी तक टीका नहीं लगवाने वाले जोखिम वाले लोगों का टीकाकरण और 40 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों को बूस्टर डोज लगाने पर विचार किया जा सकता है। बूस्टर डोज लगाने में अधिक जोखिम और संक्रमितों के करीब रहने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इंसाकाग प्रयोगशालाओं का एक राष्ट्रीय समूह है, सरकार ने जिसका कोरोना के जीनोम में आने वाले बदलाव की निगरानी करने के लिए गठन किया था।

फ़िलहाल मुंबई को राहत

कोरोना का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन जिसे लेकर पूरी दुनिया में चिंता बनी हुई है, लेकिन मुंबई के लिए फिलहाल राहत भरी खबर है। मुंबई में विदेश से आये लोगो में कोरोना संक्रमित पाए गए 9 लोगो में 7 मरीजों की रिपोर्ट आ गई है, जिसमें इन मरीजों को कोरोना का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन की शिकायत नहीं होने की रिपोर्ट आई है। इन मरीजों में कोरोना के सामान्य लक्षण ही दिखाई दिए हैं, जिससे मुंबई के लिए फिलहाल राहत भरी खबर है।

वसुंधरा राजे क्या अमित शाह के दौरे से पहले बीजेपी नेतृत्व पर बना रही हैं दबाव?

राजस्थान। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया लंबे समय बाद राज्य में सक्रिय दिख रही हैं। पिछले महीने वसुंधरा राजे ने 23 से 25 नवंबर तक छह ज़िलों में एक यात्रा निकाली। जिसे देवदर्शन यात्रा का नाम दिया और इसे निजी यात्रा बताया। हालांकि, इस यात्रा को पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के लिए एक संदेश यात्रा की तरह देखा जा रहा है। पूर्व में जब उन्होंने राज्य की दो बार सत्ता संभाली थी, तब उन्होंने मेवाड़ से ही शुरुआत की और इस बार भी मेवाड़ में चित्तौड़गढ़ से 'देवदर्शन यात्रा' की शुरुआत की है।

हम सही रास्ते पर : अंबानी

नई दिल्ली। अरबपति मुकेश अंबानी ने केंद्र सरकार के डेटा प्राइवेसी और क्रिप्टोकरेंसी बिल का समर्थन किया है। मुकेश अंबानी के मुताबिक भारत आगे की नीतियों और नियमों को लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सही रास्ते पर हैं। मुकेश अंबानी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सरकार छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए क्रिप्टोकरेंसी को लेकर संसद में एक नया विधेयक लाने के मूड में है।

ऐसा माना जा रहा है कि सरकार निजी क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाने का इरादा रखती है। भारतीय इकोनॉमी पर क्रिप्टोकरेंसी के प्रभाव को लेकर रिजर्व बैंक पहले ही सरकार को सचेत कर चुका है। हालांकि, रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के मुताबिक क्रिप्टोकरेंसी के मुकाबले ब्लॉकचेन तकनीक ज्यादा मजबूत है, जो करेंसी के बिना भी मौजूद रह सकती है।

Short News एक नजर

टिफिन बम और चार हथगोले बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर के पास स्थित गांव सलेमपुर अरैयां से

पुलिस ने एक टिफिन बम और चार हैंड ग्रेनेड बरामद कर लिए हैं। लगातार तीन दिनों में इस तरह की तीसरी रिकवरी है। सीमावर्ती जिले से पूर्व में आरडीएक्स, दो ग्रेनेड बरामद किये गए थे। इसके पहले भी आरडीएक्स, दो ग्रेनेड पहले सीमा क्षेत्र से बरामद किए गए थे।

पांच गुना तक महंगा हुआ इंटरनेशनल फ्लाइट का किराया

नई दिल्ली। इन दिनों अमेरिका, कनाडा और लंदन जाना काफी महंगा हो गया है। अमेरिका (वन वे) का

किराया 50-60 हजार की जगह डेढ़ लाख रुपए हो गया है। कनाडा (वन वे) का हवाई टिकट 60-70 हजार में मिल जाता था, लेकिन अब ढाई से तीन लाख रुपए लगते हैं। यूके (वन वे) किराया 40-50 हजार की जगह सवा से डेढ़ लाख रुपए हो गया है।

ठाकोर बने गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष

अहमदाबाद। जगदीश ठाकोर को गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से एक साल पहले यह बदलाव किया गया है। इसी साल मार्च

में निकाय चुनावों में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद अमित चावड़ा ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से ही पार्टी को प्रदेश में नए अध्यक्ष की तलाश थी, जो अब जाकर पूरी हुई है। इसे लेकर पार्टी पर निशाना भी साधा जा रहा था कि एक तरफ भाजपा सीएम समेत पूरी सरकार बदल देती है तो वहीं कांग्रेस अपना अध्यक्ष तक नहीं चुन पा रही है।

तीन अकाली भाजपा में शामिल

जालंधर

खेती कानून वापस होने के बाद किसान आंदोलन खत्म होने की उम्मीदों के बीच भाजपा पंजाब में अपने पुराने जोड़ीदार शिरोमणि अकाली दल को झटके पर झटका दे रही है। शुक्रवार को भाजपा ने शिरोमणि अकाली दल के तीन नेताओं को पार्टी ज्वॉइन करवाई। इनमें जालंधर कैंट से पूर्व अकाली विधायक सरबजीत सिंह मक्कड़ और दो बार कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन रहे अकाली लीडर अवतार सिंह जीरा शामिल रहे।

भाजपा ज्वॉइन करने वाले तीसरे अकाली नेता गुरप्रीत सिंह भट्टी रहे। सुखबीर बादल के करीबी कहलाने

जालंधर कैंट के पूर्व MLA मक्कड़, जीरा और भट्टी के अलावा पूर्व DGP विर्क ने थामा कमल

वाले भट्टी फतेहगढ़ साहिब में तकरीबन 18 साल यूथ अकाली दल के प्रधान रहे। शुक्रवार को इन तीनों अकाली नेताओं के अलावा पंजाब के पूर्व डीजीपी एसएस विर्क समेत 21 अन्य लोगों ने भी भाजपा ज्वॉइन की। दो दिन पहले ही वरिष्ठ अकाली नेता मनजिंदर सिंह सिरसा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान पद से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए थे।

सरकार को चुनौती देंगे परमबीर!

मुंबई

राज्य सरकार ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को निलंबित करने का फैसला किया है। हालांकि शुक्रवार को परमबीर सिंह ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश को मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा है कि वरिष्ठता के अनुसार हम पुलिस महानिदेशक के इस आदेश को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वो खुद पुलिस महानिदेशक की श्रेणी के अधिकारी हैं। इसे देखते हुए, पुलिस महानिदेशक उनके निलंबन का आदेश नहीं दे सकते। सिंह का कहना है कि गृह विभाग

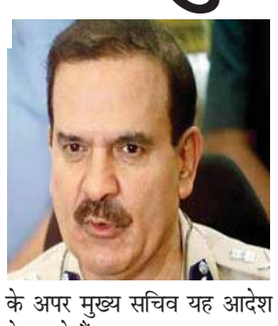

के अपर मुख्य सचिव यह आदेश दे सकते हैं।

सिंह निलंबन के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। उनका दावा है कि निलंबन का आदेश ऑल इंडिया सर्विस रूल के खिलाफ है। दरअसल राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृहविभाग) मनुकुमार श्रीवास्तव खराब स्वास्थ्य के चलते छुट्टी पर हैं। ऐसे में वे निलंबन से जुड़ा आदेश जारी नहीं कर सकेंगे। परमबीर के इस कदम के बाद राज्य सरकार क्या रुख अपनाती है यह देखना होगा। बता दें कि एंटीलिया विस्फोटक मामले के बाद मुंबई पुलिस आयुक्त के पद से हटाए गए सिंह ने राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर वसूली का आरोप लगाया था।

दूसरे पुलिसकर्मियों पर भी गिरेगी गाज

परमबीर सिंह और पराग मानेरे के बाद जबरन वसूली मामले में सह आरोपी दूसरे 25 पुलिसवालों पर भी निलंबन की गाज गिर सकती है। राज्य के पुलिस महानिदेशक ने परमबीर सिंह से जुड़े जबरन वसूली के मामले में आरोपी सभी पुलिसवालों के निलंबन का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास भेजा था, लेकिन गृहसचिव ने यह कहकर प्रस्ताव वापस भेज दिया था कि सभी पुलिस वालों की भूमिका की विस्तार से जानकारी दी जानी चाहिए। सिंह और मानेरे के बाद अब दूसरे पुलिसवालों के खिलाफ दर्ज मामलों की भी विस्तार से जानकारी देकर उनके निलंबन का प्रस्ताव भेजने की तैयारी चल रही है।

पाकिस्तान में श्रीलंकाई नागरिक को जिंदा जलाया

सियालकोट/इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सियालकोट में शुक्रवार को एक फैक्ट्री के मजदूरों ने अपने ही मैनेजर को बीच सड़क पर जिंदा जला दिया। मैनेजर श्रीलंकाई नागरिक था। उसका नाम प्रियांथा कुमारा बताया गया है। प्रियांथा पर पैगंबर मोहम्मद की निंदा करने का आरोप था। घटना के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। पाकिस्तान में 2010 में भी इसी तरह की घटना हो चुकी है। प्रियांथा ने हाल ही में बतौर एक्सपोर्ट मैनेजर सियालकोट की यह फैक्ट्री ज्वॉइन की थी। जिस फैक्ट्री में प्रियांथा काम करता था, वहां पाकिस्तान की टी-20 टीम का साजो-सामान बनाया जाता था।

'द डॉन न्यूज' के मुताबिक, घटना शुक्रवार दोपहर की है। सियालकोट के वजीराबाद रोड इलाके में एक मल्टीनेशनल फैक्ट्री है। यहां अचानक हंगामा हो गया। यहां मजदूरों की भीड़ ने फैक्ट्री के एक्सपोर्ट मैनेजर को पहले बाहर निकालकर पीटा। जब उसकी मौत हो गई तो उसे सड़क पर ही जला दिया।

ऑक्सीजन की कमी से सिर्फ पंजाब में चार की मौत

नई दिल्ली। लोकसभा में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि राज्य सरकारों को पत्र लिखकर ऑक्सीजन की कमी से मौतों पर जवाब मांगा था, जिसमें 19 राज्यों ने अपना डेटा भेज दिया है। केवल पंजाब ने ऑक्सीजन की कमी के कारण चार संदिग्ध मौतों की जानकारी दी है। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया लोकसभा में ऑक्सीजन की कमी के चलते मौतों के सवाल पर जवाब दे रहे थे। संसद में कोरोना को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। मंडाविया ने लोकसभा में जानकारी दी कि भारत में कोरोना के 3.46 करोड़ मामले सामने आए हैं और 4.6 लाख लोगों की मौत हुई है। यह कुल मामलों का 1.36% है। भारत में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 25,000 मामले और 340 मौतें दर्ज की गईं, यह दुनिया में सबसे कम है। मोदी सरकार में कमजोर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए काम चल रहा है। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे की अनदेखी करने वाली पिछली सरकारों को दोष दिए बिना सरकार ने परिणामों के लिए काम किया।

किसानों के बहाने केंद्र पर बरसे राहुल

बोले- आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों को मुआवजा दे सरकार

मुंबई

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को किसानों के बहाने फिर केंद्र सरकार को घेरा। इस बार उन्होंने आंदोलन के दौरान किसानों की मौत का मुद्दा उठाया। पार्टी हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले संसद में एक सवाल पूछा गया कि क्या केंद्र सरकार आंदोलन के दौरान मारे गए 700 किसानों के परिवारों को मुआवजा देगी या नहीं? इसका जवाब मिला कि उनके पास ऐसे किसानों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है।

राहुल ने कहा कि कोरोना में कितने लोग मरे और कितने किसान मरे, सरकार के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है। इसका कारण ये हैं कि आप इन लोगों को मुआवजा नहीं देना चाहते। जब ये शहीद हुए आपने सदन में 2 मिनट का मौन व्रत तक नहीं रखा। अगर वे चाहते हैं तो हमसे लिस्ट लें और 700 परिवारों को मुआवजा दें।

मरने वाले किसानों के नाम की लिस्ट संसद में रखेंगे

राहुल ने कहा कि पंजाब सरकार के पास 403 नाम हैं। हमने उन्हें 5 लाख रुपए मुआवजा दिया है। 152 लोगों को हमने नौकरी दी है और बाकी लोगों को भी देंगे। हमारे पास 700 में से 500 नाम हैं, जो लिस्ट हमने सरकार को दी। 100 नाम पंजाब से बाहर के हैं। बाकी नाम हमारे पास पब्लिक रिकॉर्ड से हैं। हम इनकी लिस्ट सोमवार को संसद में रखेंगे। उसकी जांच कर सरकार 700 लोगों को मुआवजा दे।

खुले में नमाज पर बढ़ा विवाद

हिन्दू संगठनों ने नमाजियों के सामने लगाए जय श्रीराम के नारे

गुरुग्राम

दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम जिले में खुले में नमाज पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को सेक्टर-37 में नमाज पढ़ने पहुंचे लोगों को कथित तौर पर विरोध का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस दौरान पुलिस ने नमाज का विरोध कर रहे लोगों को जबरन वहां से हटा दिया। इस दौरान कुछ लोगों को हिरासत में भी लिए जाने की सूचना है। हिंदू संगठनों के लोगों ने खुले में नमाज नहीं पढ़ने को लेकर जय श्रीराम के नारे लगाए। यहां तक नमाज स्थल पर पहुंचकर उन्हें नमाज पढ़ने से भी रोक दिया। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने विरोध करने वालों को वहां से हटाया, तब जाकर नमाज पढ़ी जा सकी। वहीं, मुफ्ती मोहम्मद सलीम अंसारी ने कहा कि सेक्टर-37 में दो जगहों पर पढ़ी जाने वाली नमाज को रोका गया था, लेकिन उनके समाज के कुछ लोग नमाज पढ़ने पर जोर रहे हैं। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए वह पुलिस कमिश्नर से भी मिले थे। उन्होंने भी भरोसा दिलाया था कि चिह्नित स्थानों पर नमाज पढ़ने में कोई दिक्कत नहीं आएगी और वहां विरोध भी नहीं होगा।

हरियाणा में किसानों पर दर्ज केस होंगे वापस

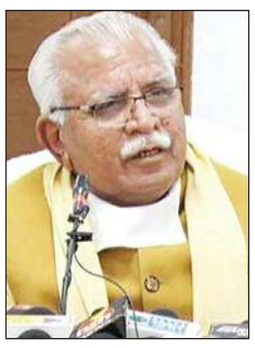

चंडीगढ़। हरियाणा की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान मरे लोगों के परिजनों को मुआवजा देने की पहल की है। इसके अलावा आंदोलन के दौरान जिन किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उन पर से केस वापस लिए जाएंगे। भारतीय किसान यूनियन के नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने यह जानकारी दी है। यही नहीं सीएम मनोहर लाल खट्टर के बुलावे पर किसान नेताओं का एक दल मुख्यमंत्री आवास पर उनसे मिलने के लिए चंडीगढ़ पहुंच गया है। चढ़ूनी ने कहा कि सीएम मनोहर लाल खट्टर ने हमें किसानों पर दर्ज मामलों को लेकर बात करने के लिए बुलाया है। इसके अलावा आंदोलन के दौरान मरे किसानों के मुआवजे को लेकर भी बात होगी। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने तीन नए कृषि कानूनों को वापस ले लिया था। हालांकि इस ऐलान के बाद भी किसान संगठनों ने एमएसपी कानून समेत छह मांगें रखी थीं और आंदोलन खत्म करने से इंकार किया था। इन मांगों में आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिजनों को मुआवजा देने और आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेना भी था।

किसानों ने अभिनेत्री कंगना रनोट के काफिले को घेरा

रोपड़ (पंजाब)। कंगना रनोट को शुक्रवार को रोपड़ टोल प्लाजा में भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। कंगना ने ही सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है कि जब वे मनाली से चंडीगढ़ जा रहीं थीं, तब उन्हें चंडीगढ़-ऊना नेशनल हाईवे पर कीरतपुर साहिब में किसानों ने रोक लिया। उन्होंने घटना का वीडियो भी शेयर किया है और लिखा है, जैसे ही पंजाब में कदम रखा, भीड़ ने हमला कर दिया। वे लोग कह रहे हैं कि वे किसान हैं।

कंगना के मुताबिक भीड़ उनसे माफी मांगने को कह रही थी। करीब एक घंटे तक भीड़ ने कंगना को घेरे रखा। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर घटना का वीडियो भी शेयर किया है। कंगना चंडीगढ़ जा रही थीं, जहां रोपड़ टोल प्लाजा, चंडीगढ़-ऊना हाईवे पर जाम लगाकर उन्हें रोक लिया गया।

किसानों के अलावा यहां बड़ी तादाद में पुलिस भी मौजूद थी, लेकिन भीड़ कंगना की गाड़ी को आगे नहीं जाने दे रही थी। लोग उनसे माफी मांगने को कह रहे थे। विरोध के लिए किसानों के इकट्ठा होने का पता चलते ही पुलिस ने टोल से 200 मीटर पहले कंगना के काफिले को मोरिंडा के गांवों में घुसा दिया। गांवों के रास्ते फिर उन्हें हाईवे पर लाया गया।

सार समाचार

आप सोच भी नहीं सकते यह है दुनिया का सबसे महंगा शहर, जानिए भारत कौन से लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली। इजराइल का तेल अवीव शहर दुनिया का सबसे महंगा शहर हो गया है।इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (श्रद्धू) की रैंकिंग के हिसाब से तेल अवीव का बाकी की दुनिया के तुलना में रहने वाले की लागत बहुत अधिक है। बता दें कि तेल अवीव पांच पायदान ऊपर पहुंच कर टॉप पर रैंक कर रहा है। 173 शहरों के कॉस्ट ऑफ लिविंग इंडेक्स के आधार पर इसकी रैंकिंग की गई है।

यह है सबसे सस्ते शहर

इस रैंकिंग में सीरीया की राजधानी दमिश्क दुनिया का सबसे सस्ता शहर बताया गया है वहीं सीरीया के बाद लीबिया का ट्राइपोलि, उज्बेकिस्तान का ताशकंद, ट्यूनीशिया का टुनिस, कजाकिस्तान का अल्माटी, पाकिस्तान का कराची, भारत का अहमदाबाद, अल्जीरिया का अल्जीयर्स, अर्जेंटीना का ब्यूनस आयर्स, और जाम्बिया का लुसाका शहर सबसे सस्ते शहरों की लिस्ट में शामिल किए गए है।

यहां जानिए महंगे शहर के लिस्ट

आपको बता दें कि इजराइल का शहर तेल अवीव को यह उपाधि उसके डॉलर के मुकाबले राष्ट्रीय मुद्रा, शेकेल जोकि यहूदियों का एक प्राचीन सिक्का है , परिवहन और घरेलू सामान की कीमतों में वृद्धि को देखते हुए दिया गया है। तेल अवीव के बाद पेरिस और सिंगापुर दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। इसके बाद महंगे शहरों में ज्यूरिख, हांगकांग, न्यूयॉर्क और जिनेवा शामिल है। बात करें 1 से 10 तक की रैंकिंग में आठवें स्थान पर सबसे महंगे शहरों में कोपेनहेगन, नौवें पर लॉस एंजिल्स और 10वें स्थान पर जापान का ओसाका शहर शमिल है। पिछले साल पेरिस, ज्यूरिख और हांगकांग पहले नंबर में रैंक कर रहा था। जानकारी के लिए बता दें कि, रैंकिंग का यह डेटा अगस्त और सितंबर से लिया गया है। इन महीनों में दैनिक वस्तुओं की कीमतों ममें सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई थी।

इस देश में हैं 7 अजीबों-गरीब कानून, धर्म मानने पर दी जाती है सजा और टीवी पर देख सकते हैं सिर्फ 3 चैनल

नई दिल्ली। किसी भी देश में रहने वाले हर एक व्यक्ति को अपने हिसाब से जीने का और रहने का हक होता है। पर एक देश ऐसा भी है जहाँ हर व्यक्ति सरकार के बताएं नियम के अनुसार रहता है। यह देश है नॉर्थ कोरिया। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग तो मशहूर है ही पर उनसे भी ज्यादा मशहूर हैं उनकी तानाशाही। नॉर्थ कोरिया में रहने वाले लोग अपने मन मुताबिक नहीं रह सकते, उन्हें सरकार के द्वारा बनाये गए कानूनों के हिसाब से ही रहना पड़ता है। यहाँ इंटरनेट चलाने से लेकर हेयरस्टाइल रखने तक ऐसे अजीबो-गरीब कानून हैं, जिनके बारें में सुनकर आप हैरान हो जाएंगे। आईये जानते हैं नॉर्थ कोरिया के अजीबो-गरीब कानूनों के बारे में-

जहाँ एक तरफ पूरी दुनिया में साल 2021 चल रहा है, वहीं नॉर्थ कोरिया में साल 110 चल रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नॉर्थ कोरिया का कैलेंडर इस देश ने पूर्व तानाशाह किम इल-सुंग की जन्मतिथि 15 अप्रैल 1912 पर आधारित है। नॉर्थ कोरिया में हर 5 साल में चुनाव होते है। पर यहाँ के नागरिकों के पास सिर्फ एक ही व्यक्ति को चुनने का विकल्प होता है। साल 1948 से इस देश पर एक ही परिवार का राज है। इस देश के नागरिकों को टीवी पर सिर्फ तीन चैनल ही दिखाए जाते हैं। यहाँ के लोग सिर्फ वही देख सकते हैं, जो सरकार उन्हें दिखाना चाहती है। वहीं टीवी पर सिर्फ उत्तरी कोरिया के ही समाचार दिखाए जाते हैं। उत्तर कोरिया में नागरिकों के लिए सरकार द्वारा 28 तरह की हेयर स्टाइल को मान्यता दी गई है। इनके अलावा और कोई हेयर स्टाइल रखने पर व्यक्ति को जेल भेज दिया जाता है। यह प्रतिबंध 2013 में तानाशाह किम जोंग-उन ने लगाया था। इन हेयर स्टाइल्स में किम की हेयर स्टाइल शामिल नहीं हैं।

सौतेली बेटी की हत्या करने वाले शख्स को 20 साल की मिली सजा

जोंजू। बहस के बाद गुस्से में अपनी सौतेली बेटी की हत्या करने के मामले में एक अदालत ने गुरुवार को एक व्यक्ति को 20 साल जेल की सजा सुनाई है। जोंजू जिला अदालत ने 58 वर्षीय व्यक्ति को अगस्त में सियोल से 240 किलोमीटर दक्षिण में जोंजू में अपने घर पर 33 वर्षीय सौतेली बेटी की चाकू मारकर हत्या करने का दोषी ठहराया था। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया था। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि पीड़िता को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन बाद में उसने दम तोड़ दिया। कथित तौर पर अपमानित होने के बाद उसने अपनी सौतेली बेटी की कथित तौर पर हत्या कर दी थी। अदालत ने कहा कि उस व्यक्ति ने पीड़िता और परिवार को बहुत पीड़ा दी और परिवार ने उसे अभी तक माफ नहीं किया है।

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले हुए दोगुने, टीकाकरण नहीं कराने वालों पर सरकार की सख्ती

जोहांनिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामले एक दिन में दोगुने हो जाने के बीच सरकार पर इस बात का दबाव बढ़ गया है कि उन लोगों के एकत्र होने पर कड़ा प्रतिबंध लगाया जाए, जिन्होंने टीकाकरण नहीं कराया है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान ने बुधवार शाम घोषणा की कि पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 8,561 नए मामले सामने आए, जबकि इससे एक दिन पहले 4,373 मामले पाए गए थे। विशेषज्ञों ने कहा कि शीर्ष महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ. सलीम अब्दुल करीम ने दक्षिण अफ्रीका में सोमवार तक संक्रमण के दैनिक मामले 10,000 पहुंचने की संभावना जताई थी, लेकिन अब संक्रमण के मामलों की संख्या बृहस्पतिवार तक 10,000 हो जाने की आशंका है।

लीक डॉक्यूमेंट्स से बड़ा खुलासा: उइगर मुसलमानों के दमन के पीछे जिनपिंग समेत कई नेताओं का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन में उइगरों मुस्लिमों के बारे में आई एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उनके दमन के पीछे परोक्ष रूप से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत सीपीसी के कई बड़े नेताओं का हाथ है। बीजिंग से एक बड़े लीक ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का पर्दाफाश कर दिया है। ÷सीक्रेट÷ और ÷टॉप सीक्रेट÷ वर्गीकरण वाली फाइलें बताती हैं कि कैसे चीनी राष्ट्रपति ने शिनजियांग में उइगरों के खिलाफ नरसंहार का आदेश दिया था। इन लीक दस्तावेज में ऐसे भाषण शामिल हैं जिनके आधार पर विश्लेषक ये कह रहे हैं कि ये इस बात का प्रमाण है कि चीन के शीर्ष नेताओं ने ऐसे कदम उठाने की बात की जिसकी वजह से उइगर मुसलमानों को बड़ी संख्या में कैद रखा गया। के लिए पुनर्शिक्षा और पुनर्वास के मामलों से संबंधित है। कागजात से पता चला कि कैसे बीजिंग प्रशासन ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा दिए गए भाषणों के अनुरूप समुदाय पर नकेल कसी।

जिनपिंग ने शिनजियांग में धार्मिक चरमपंथ की ताकतों को कुचलने आदि की बातें भी कही हैं। उन्होंने

कहा है कि शिनजियांग की सबसे बड़ी दिक्कत बेरोजगारी है। बड़ी संख्या में बेरोजगार लोग परेशानी को भड़काने के लिए उत्तरदायी हैं। उन्होंने कहा है कि शिनजियांग में हान चीनी लोगों की कम आबादी चिंता का विषय है। शिनजियांग में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को लेकर चीन बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय दबाव में आ गया है। इस क्षेत्र के लिए चीन के दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव का पता 2013 में बीजिंग में यात्रियों पर दो क्रूर हमलों और 2014 में कुनमिंग शहर में देखा जा सकता है, जिसके लिए चीन द्वारा उइगर इस्लामवादियों और अलगाववादियों को दोषी ठहराया गया था। 2016 के बाद से इसकी प्रतिक्रिया उइगर और अन्य मुसलमानों के लिए तथाकथित 'पुनः शिक्षा' शिविरों का निर्माण रही है, और झिंजियांग के निवासियों के लक्ष्यीकरण ने किसी भी व्यवहार को अविश्वसनीयता के संकेत के रूप में प्रदर्शित किया है। लीक हुए डॉक्यूमेंट्स 2014-2017 के बीच की हैं। इन लीक डॉक्यूमेंट्स की कॉपीज उइगुर ट्रिब्यूनल की वेबसाइट पर भी पोस्ट की गई हैं।

उइगरों से चीन की दुश्मनी

चीन में मुसलमानों की आबादी 2.2 करोड़ है, यानी कुल आबादी का 1.6 फीसदी। शिनजियांग में 45 फीसदी उईगर मुसलमान रहते हैं। ये तुर्की से संबंध रखते हैं। लेकिन इस प्रांत के मुसलमान चीन की मर्जी के बगैर कुछ नहीं कर सकते। चीन की सरकार जब चाहे वहां मस्जिदों को गिरा कर पब्लिक टॉयलेट बनवा देती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने 18 लाख उइगर मुसलमानों को कैद में रखा है। 10 लाख मुसलमानों को डिटेंशन कैंप की बात संयुक्त राष्ट्र की तरफ से भी कही जा चुकी है।

पाकिस्तान सीपीईसी परियोजनाओं को बहुत अधिक महत्व देता है : पीएम इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि देश चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजनाओं को अत्यधिक महत्व देता है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी गई।बयान में कहा गया है कि सीपीईसी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए खान ने कहा कि सीपीईसी परियोजनाओं की समयसीमा का पालन किया जाना चाहिए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सरकार सीपीईसी समझौतों के प्रावधानों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खान के हवाले से कहा गया, चीन पाकिस्तान का पुराना दोस्त रहा है और सरकार सीपीईसी परियोजनाओं के क्रियान्वयन और संचालन को उच्च प्राथमिकता देती है। बयान के अनुसार, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि देश के लिए अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए लॉन्ग-टर्म प्रोजेक्ट्स के लिए नीतियों की निरंतरता आवश्यक है।

डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी लापरवाही, राष्ट्रपति चुनाव के वक्त कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद बाइडेन संग की थी डिबेट!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से संबंधित इस बड़े खुलासे में दावा किया गया है कि प्रेसिडेंसियल डिबेट के दौरान ट्रंप ने अपने कोविड पॉजिटिव होने की बात छुपा ली थी। ट्रंप ने कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद राष्ट्रपति चुनाव के लिए होने वाली पहली डिबेट जो बाइडेन के साथ की थी। लेकिन इस बात को छिपाया गया। व्हाइट हाउस के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ की एक नई पुस्तक में ये दावा किया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2020 में जो बाइडेन संग पहली डिबेट से पहले कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। व्हाइट हाउस ने उस समय ट्रंप के पॉजिटिव होने की बात सार्वजनिक नहीं कि और उनकी रिपोर्ट को नेगेटिव में बदल दिया गया ताकि वो डिबेट में हिस्सा ले सकें।

द गार्जियन ने व्हाइट हाउस के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज की एक आगामी पुस्तक का हवाला देते हुए कहा कि डिबेट में शामिल होने के लिए हर उम्मीदवार के पास 72 घंटे पहले की कोविड निगेटिव रिपोर्ट की जरूरत थी। पुस्तक में मीडोज ने स्वीकार किया

कि कोविड पॉजिटिव की रिपोर्ट सभी के लिए एक झटका सरीखा था। पॉजिटिव पाए गए जाने के बाद ट्रंप ने एक बार फिर जांच करवाई। जिसमें निगेटिव रिजल्ट आया। मीडोज ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि ट्रंप 26 सितंबर को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। ये वही दिन है, जब उन्होंने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में सुप्रीम कोर्ट के उम्मीदवार एमी कोनी बैरेट के लिए एक समारोह की मेजबानी की थी, जिसे बाद में चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा एक सुपर स्प्रेडर कार्यक्रम माना गया। इस कार्यक्रम में शामिल हुए कम से कम 12 लोग संक्रमित पाए गए थे। 30 सितंबर को ट्रंप एक रैली में भी शामिल हुए थे। फिर ट्रंप ने 2 अक्टूबर को बताया कि वह और उनकी पत्नी मिलेनिया ट्रंप कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

ट्रंप ने बताया फर्जी खबर

पूरे मामले पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे फर्जी खबर करार दिया है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि मीडोज ने बताया कि मुझे पहली बहस से पहले कोविड-19 का संक्रमण था, यह फर्जी खबर है। जांच में साबित हुआ था कि पहली बहस से पहले मुझे संक्रमण नहीं था।

अफ्रीकी चुनावी निकाय ने भारत निर्वाचन आयोग की प्रशंसा की, दुनिया के लिए बताया उदाहरण

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्र निर्वाचन आयोग (आईईसी) के अध्यक्ष ग्लेन मशानिनी ने भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के काम की सराहना की और पूरी दुनिया के लिए इसे एक उदाहरण बताया। मशानिनी ने मंगलवार को जोहानिसबर्ग में भारतीय महावाणिज्य दूत अंजू रंजन और प्रेटोरिया में उच्चायुक्त जयदीप सरकार के कार्यालयों में आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। रंजन ने कहा कि 'स्टोरी ऑफ वर्ल्ड्स लार्जेस्ट डेमोक्रेसीज इलेक्शंस' शीर्षक से इस कार्यक्रम का आयोजन 26 नवंबर को भारत के संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित करने की योजना थी, लेकिन पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण मुख्य वक्ता अनुपलब्ध थे, इसी वजह से कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। मशानिनी ने कहा, ''भारत की कहानी न केवल दुनिया के सबसे बड़े चुनावों के बारे में है बल्कि यह एक प्राचीन सभ्यता की कहानी भी है जो साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद से बाधित हो गई थी।'' उन्होंने कहा, ''ईसीआई चुनावी प्रबंधन निकाय के रूप में दुनिया भर में सेवा कर रही निर्वाचन प्रणालियों के लिए ज्ञान, समझ और अनुभव का स्रोत है।'' उपनिवेशवाद, नस्लवाद और रंगभेद से लड़ने के लिए लोगों का नेतृत्व करने में महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए मशानिनी ने कहा कि दोनों देशों ने आज संवैधानिक लोकतंत्र स्थापित करने के लिए इन कुरीतियों पर विजय प्राप्त की है। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़े, पुराने और मजबूत लोकतंत्रों में से एक, भारत ने रंगभेद को खत्म करने के हमारे संघर्ष और लोकतंत्र को गहरा एवं मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय परियोजना को लेकर जो समर्थन दिया है, उसके लिए दक्षिण अफ्रीका ऋणी है।'' भारत निर्वाचन आयोग के महासचिव उमेश सिन्हा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने किसी भी मतदाता को पीछे नहीं छोड़ने के अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करने के लिए चुनाव कैसे आयोजित किए।

कुख्यात ड्रग माफिया के साथ मिलकर पत्नी करती थी बड़े-बड़े जुर्म, अपराध कबूलने के बाद कोर्ट ने दिखाई ऐसी दिलेरी

नई दिल्ली (एजेंसी।

अमेरिका का कुख्यात ड्रग माफिया की पत्नी एम्मा कोरोनेल ऐइसपुरो पर कोर्ट ने मेहरबानी दिखाते हुए उम्र भर की कैद की सजा को खत्म कर केवल तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि 32 साल की एम्मा ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। बता दें कि एम्मा को इसी साल फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। एम्मा न केवल ड्रग माफिया की पत्नी है बल्कि एक ब्यूटी क्वीन भी रह चुकी है। एम्मा ने अपने पति जो कि एक कुख्यात ड्रग माफिया है के सभी अपराधों में बराबर का साथ दिया। एम्मा ने न केवल अपने पति का साथ दिया बल्कि अमेरिका के जेल से सुरंग बनाकर अपने पति को फरार भी कराया था।

कोर्ट ने कम की सजा

एम्मा ने जब कोर्ट के सामने अपने सभी अपराधों को कबूला तो सह संभव था कि उसे भी कोर्ट उम्र कैद की सजा सुनाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बता दें कि सरकारी वकील ने एम्मा के पश्चाताप और अपने जुर्म को कबूल करने को देखते हुए उनकी सजा को कम करने की अपील की जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

क्या-क्या किया है अपराध

बता दें कि एम्मा ने अपने पति अल चापो और सिनालोआ कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में कोकिन मेथाम्फेटामाइन, हेरोइन और गांजे जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी का नेटवर्क संभालती थी। ड्रग्स के धंधे से जो भी कमाई होती उसे फिर अल चापो यानि कि अपने पति को अमेरिका से बाहर भेजने में मदद करती थी।एम्मा की गिरफ्तारी वर्जीनिया के डलेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से की गई थी। सरकारी वकील के आरोप के मुताबिक, एम्मा अपने पति के धंधे को संभालती थी और उससे जुड़ी सभी जानकारियां एम्मा के पास होती थी।

साल 2007 में हुई थी शादी

एम्मा और कुख्यात ड्रग माफिया अल चापो की शादी साल 2007 में हुई थी। तब एम्मा 18 साल की हुई थी और अल चापो के नाम की चर्चा अमेरिका औप मैक्सिको के अलावा ब्राजील, पेरू और अर्जेंटीना तक फैली हुई थी।

जनवरी के अंत तक कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के जद में होगा फ्रांस

पेरिस (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। फ्रांस में भी इसके मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में टॉप वैज्ञानिकों का मानना है कि जनवरी के अंत तक ओमिक्रॉन पूरे जापान को अपने जद में ले सकता है। पहला मामला सामने आने के बाद फ्रांस और अमेरिका की सरकारों ने दुनिया भर के देशों के लिए प्रतिबंध कड़े कर दिए हैं। खासकर विदेशा यात्रियों को लेकर।

अमेरिका में ओमिक्रॉन का पहला मामला कैलिफोर्निया में मिला है। जहां, पूरी तरह से वैक्सीनेटेड शख्स 22 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका से अमेरिका और सात दिन पर उसकी रिपोर्ट ओमिक्रॉन से पॉजिटिव आई है। वहीं, फ्रांस ने ग्रेटर पेरिस के इले डी फ्रांस क्षेत्र में एक ओमिक्रॉन के एक मामला मिलने की पुष्टि की है। अमेरिका में कड़ाके की ठंडे के बीच राष्ट्रपति जो बाइडेन कोविड-19 से लड़ने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इससे संबंधित एक सूत्र ने रॉयटर को बताया कि इसके लिए सबसे पहला कदम यात्रियों को मार्च के मध्य तक मास्क पहनने को लेकर उठाया जा सकता है। जिसकी गुरुवार को औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद भी की जा रही है। इसके अलावा व्हाइट हाउस अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सख्त टेस्टिंग की घोषणा करने की भी योजना बना

रहा है।

फ्रांसीसी सरकार के सलाहकार जीन-फ्रेंकोइस डेल्फ़ैसी ने बीएफएम टेलीविजन को बताया कि अभी तक के लिए सच्चा दुश्मन कोरोना का डेल्टा वैरिएंट था जिसकी वजह से देश पांचवी लहर का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमे ओमिक्रॉन वैरिएंट पर नजर रखना चाहिए, जो संभवतः जनवरी के अंत तक डेल्टा से आगे निकल सकता है।

जापान ने कोरोना वायरस के नए प्रकार 'ओमिक्रॉन' से बचाव के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की नई बुकिंग पर प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद आज यह फैसला वापस ले लिया। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी दुनिया के सामने नहीं आ पाई है। क्योंकि हाल ही में इस वैरिएंट की पुष्टि हुई है। पहली 8 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में मिलने के बाद यह कम से कम दो दर्जन देशों फैल चुका है।

सऊदी के नेतृत्व वाले हवाई हमले ने हाउती नियंत्रित शिविर को निशाना बनाया: मीडिया

सना (एजेंसी)।

सऊदी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के एक जेट फाइटर ने यमन की राजधानी सना में हाउती मिलिशिया द्वारा नियंत्रित एक सैन्य शिविर पर हवाई हमला किया। अल-मसीरा टीवी ने इसकी जानकारी दी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हवाई हमला बुधवार दोपहर को सना के उत्तरी भाग में घनी आबादी वाले इलाकों से घिरी पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्रथम बख्तरबंद डिवीजन शिविर के केंद्र में हुआ।

सैन्य अड्डे से मीलों दूर धुआं और धूल देखा जा सकता था और निवासियों ने सिन्हुआ को बताया कि एक शक्तिशाली विस्फोट ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया। बुधवार को, अल-मसीरा टीवी ने बताया कि गठबंधन ने उत्तर-पश्चिमी प्रांत सादा में सीमावर्ती इलाकों में गोलियां चलाईं और निशाना बनाया, जिसमें तीन की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अभी तक कोई तत्काल टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसने हाल ही में हाउती मिलिशिया द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के छिपे हुए भंडार पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। ईरान समर्थित हाउती मिलिशिया ने हाल ही में सऊदी शहरों के खिलाफ सीमा पार मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। फरवरी में, यमनी विद्रोही समूह ने मध्य यमन में तेल-समृद्ध प्रांत मारिब पर कब्जा करने के लिए सऊदी समर्थित यमनी सरकारी सेना के खिलाफ एक बड़ा आक्रमण शुरू किया था।

परमाणु वार्ता की समय सीमा पूरी करने के चलते हम मांगों को नहीं छोड़ेंगे: ईरान

तेहरान (एजेंसी)।

ईरान चल रही परमाणु वार्ता की समय सीमा के लिए अपनी मांगों को नहीं छोड़ेगा। आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी की ओर से प्रकाशित एक टिप्पणी से यह जानकारी मिली। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग छह महीने के बाद, 2015 के ईरानी परमाणु समझौते को बचाने के उद्देश्य से वार्ता सोमवार को ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में फिर से शुरू हुई। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान, पी4 प्लस 1 समूह, जैसे ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, रूस प्लस जर्मनी के साथ-साथ यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति के साथ, बुधवार सुबह विशेषज्ञ स्तर पर परमाणु वार्ता शुरू हुई। 2015 के परमाणु समझौते के संयुक्त आयोग की विशेषज्ञ-स्तरीय बैठकें, जिन्हें औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना के रूप में जाना जाता है। समझौते के तहत ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने और पार्टियों के लिए तंत्र को फिर से शुरू करने के लिए तंत्र पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। आईआरएनए के अनुसार बुधवार को ईरान के इस्लामी गणराज्य के प्रतिनिधियों ने ईरानी लोगों के खिलाफ प्रतिबंधों को प्रभावी ढंग से उठाने की आवश्यकता पर तेहरान की मौलिक स्थिति की पुष्टि की और अन्य सदस्यों को बातचीत में रचनात्मक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस बीच, अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने प्रतिबंध हटाने के मुद्दे में शामिल होने के लिए अपनी तैयारी और गंभीरता व्यक्त की। ईरान के मुख्य परमाणु वार्ताकार अली बघेरी कानी, वार्ता के भविष्य के बारे में आशावादी हैं और उन्होंने बातचीत के लिए अपने देश की गंभीर इच्छा और एक समझौते पर पहुंचने की अपनी तत्परता पर बल दिया है।

अमेरिकी दूतावास के कुछ कर्मचारियों को दो महीने में रूस छोड़ना होगा

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिकों को निष्कासित करने के वाशिंगटन के फैसले के जवाब में कहा है कि अमेरिकी दूतावास के कुछ कर्मचारियों को दो महीने में रूस छोड़ना होगा। मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बुधवार को अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग के दौरान कहा, 31 जनवरी, 2022 तक, जो मास्को में अमेरिकी दूतावास में तीन साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं, उन्हें रूस छोड़ देना चाहिए। यदि वाशिंगटन अपनी नीति में सुधार नहीं करता है, तो अमेरिकी राजनयिकों के एक और बैच को 1 जुलाई, 2022 तक प्रस्थान करना होगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने इससे पहले 55 रूसी राजनयिकों को 30 जनवरी, 2022 और 30 जून, 2022 तक दो बैचों में देश छोड़ने के लिए कहा था, जिसके जवाब में रूस ने यह कदम उठाया है। जखारोवा ने अपने ब्रीफिंग में कहा कि प्रतिबंध राजनयिक मानदंडों के खिलाफ थे और एक देश के संप्रभु अधिकार पर एक स्पष्ट अतिक्रमण थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वाशिंगटन ने इस मुद्दे का रचनात्मक समाधान खोजने के रूस के प्रयासों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे मास्को को पारस्परिक प्रतिक्रिया लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दिल्ली देहात के गांवों में नहीं खुलने देंगे शराब के ठेके - चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी

दिल्ली देहात के गांवों में शराब के ठेके नहीं करेंगे बर्दाश्त- चौ0 सुरेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली। दिल्लीके मंगोलपुर कलां गांव में एक महत्वपूर्ण पंचायत हुई, जिसकी अध्यक्षता पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने की। पंचायत में जुटे लोगों में इस बात पर भारी नाराजगी दिखी कि- पंचायत के विरोध के बावजूद भी पुलिस और कंपनी के सांठगांठ से मंगोलपुर कला गांव में शराब का नया ठेका खोल दिया गया। इसके बाद जब स्थानीय निवासी इसका विरोध करने पहुंचे तो पुलिसकर्मी और कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। यहां तक कि महिलाओं तक से अनुचित व्यवहार किया गया। पंचायत में ज़ोरदार तरीक़े से मांग की गई कि शराब का ठेका जल्द से जल्द बंद किया जाए और दोषी पुलिसकर्मियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

पंचायत के प्रवक्ता विजेंद्र पहलवान ने बताया कि इससे पहले मंगोलपुर खुर्द गाँव में भी सामाजिक पंचायत के भारी विरोध के बाद शराब का ठेका बंद कर दिया गया था, उसी तर्ज पर मंगोलपुरी कला गांव में भी पंचायत के भारी एतराज को देखते हुए शराब का ठेका बंद किया जाए।

इस मौके पर पालम-360 के प्रधान चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी ने कहा कि हम गांव के रिहायशी इलाकों में शराब के ठेके किसी कीमत पर नहीं खुलने देंगे। हम इस तरह अपने सामाजिक ताने-बाने में छेड़छाड़ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर हमारी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो हम जल्दी ही एक बड़ी पंचायत बुलाएंगे। चाहे हमें इसके लिए मुख्यमंत्री का घेराव करना पड़े या उपराज्यपाल का घेराव करना पड़े किसी भी कीमत पर दिल्ली देहात गांवों में शराब के ठेके नहीं खुलने देंगे।

आज की पंचायत का संचालन राजपाल शौकीन ने किया, जबकि इस दौरान प्रमुख रुप से चौधरी हरनाथ, लीलावती एडवोकेट, सुरेंद्र पूर्व निगम पार्षद, चौधरी हजारीलाल, चौधरी सतवीर सिंह, चौधरी रामपत, चौधरी प्रकाश सिंह, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संदीप और कई गणमान्य जन मौजूद रहे। सब ने एकमत और एक आवाज में शराब के ठेके खोले जाने के खिलाफ आक्रोश जताया।

8 स्थानों पर डीजल में वैट कम करने की मांग को लेकर केजरीवाल सरकार के खिलाफ धरना

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा ने दिल्ली के अलग-अलग 8 स्थानों पर डीजल में वैट कम करने की मांग को लेकर केजरीवाल सरकार के खिलाफ धरना व प्रदर्शन किया । प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा के नेतृत्व में आईटीओ चौक पर प्रदर्शन किया गया। मौके पर लक्ष्मी नगर के विधायक अभय वर्मा, शाहदरा जिले के सह प्रभारी अरविंद गर्ग, प्रदेश मंत्री एस राहुल, जगदम्बा सिंह, अनिल राजभर, रेखा सिंह, अनुपम पांड, कमलेश झा, विभा झा आदि मौजूद रहे ।कार्यक्रम संयोजक प्रदेश मंत्री अभय सिंह व संजीव झा थे।

मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा ने दावा किया कि पेट्रोल पर वैट में कमी उनके पार्टी द्वारा लगातार बनाए जा रहे दबाव का नतीजा है।उन्होंने केजरीवाल सरकार से डीजल पर वेट घटाने की मांग की है । और कहा कि डीजल महंगा होने से दैनिक जरूरत की चीजे महंगी होगी और इसकी मार आम जनता को झेलनी पड़ रही है । परिवहन की लागत बढ़ने से रसोई का बजट बिगड़ गया है । किसानों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

विधायक अभय वर्मा ने कहा कि पेट्रोल पर ?16 वेट कम करना था लेकिन केजरीवाल सरकार ने केवला 8 रुपये ही कम किया और डीजल पर कोई वेट कम न कर जनता के साथ विश्वासघात किया है।

आजादपुर में माधव प्रसाद, नजफगढ़ में अरुण प्रधान व रामदयाल महतो, साकेत में संजय तिवारी, पालम में नरेंद पाठक, द्वारिका मोड़ में प्रदीप मिश्रा व विपिन सिन्हा आदि मौजूद रहे।

विश्वास नगर वार्ड में झुग्गी सम्मान यात्रा के दौरान आदेश गुप्ता ने किया सफाई कर्मियों का सम्मान

पूर्वी दिल्ली । दिल्ली प्रदेश बीजेपी पूरी दिल्ली में झुग्गी सम्मान यात्रा का आयोजन कर रही है शनिवार को आनंद विहार में इसके अंतर्गत एक बड़ा कार्यक्रम किया गया जिसमें दिल्ली के नायकों का सम्मान किया गया । यात्रा के दौरान दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने एक अप्रत्याशित कदम उठाया और आनंद विहार मंडल की उपाध्यक्ष दीप्ती अग्रवाल के यहां पहुंचे और सफाई कर्मियों का सम्मान किया । इस दौरान विश्वास नगर के विधायक ओमप्रकाश शर्मा भी उनके साथ थे इनके अलावा सोसाइटी के अध्यक्ष राजीव चौधरी,किरण तिवारी (मंत्री ,जिला) मंडल अध्यक्ष हितेश आर्य, उपाध्यक्ष संजय जिंदल संजय अग्रवाल और सोसाइटी के लोगों सहित अन्य बीजेपी कार्यकर्ता भी मौजूद थे ,आदेश गुप्ता के हाथों सम्मानित होकर सफाई कर्मी काफी खुश नजर आए और उन्होने दीप्ती अग्रवाल को धन्यवाद दिया ।

रामनाथ कोविंद के हाथों से 59 दिव्यांगों को राष्ट्रीय दिव्यांग पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली। दिव्यांगता शरीर की नहीं दिमाग से भी होती है दिव्यांगता से सबलता की ओर अगर दृढ़ संकल्प हो और योग साधना से बड़ी से बड़ी विकलांगता भी सबलता में परिवर्तित हो जाती है द्य मां शक्ति अंतरराष्ट्रीय संस्था के दिव्यांगों ने यह साबित भी किया है । ज्यादातर दिव्यांगता एक्सीडेंट की वजह से होती है आज के समय में दुर्घटना होने से जो दिव्यांगता पैदा होती है वह सोचने के लिए मजबूर कर देती है कि क्या अगर हम 1 सेकेंड समय की वैल्यू समझ जाए और जल्दी ना करें, टू व्हीलर पर हेलमेट पहने, स्पीड का ध्यान रखें और सड़क के नियमों का पालन करें तो क्या दुर्घटना बच सकती थी ? इसी बारे में आज मां शक्ति अंतरराष्ट्रीय संस्था ने विज्ञान भवन में दुर्घटना से जो दिव्यांग को आज राष्ट्रपति पुरस्कार मिला उनके द्वारा लोगों को जागृत करने की कोशिश की द्य आज हमारे देश के महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के हाथों से 59 दिव्यांगों को आज विज्ञान भवन में राष्ट्रीय दिव्यांग पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।उनमें से कई ऐसे थे जो दुर्घटना के कारण दिव्यांग हो गए लेकिन फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आज उनको राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला द्य दुर्घटना ही ना हो इसके बारे में मां शक्ति लगातार अपनी मुहिम जारी रखे हुए हैं द्य इसी श्रंखला में आज भी उन्होंने जिन सड़क दुर्घटना से ग्रसित दिव्यांगों को अवार्ड मिला उन्होंने लोगों से अपील की कि हमें सुरक्षा के नियमों का सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिएद्य और जिंदगी बहुत कीमती है जल्दबाजी ना करके अगर 1 सेकंड की वैल्यू हम समझे तो हमारे दुर्घटना से बच सकते हैं द्य मां शक्ति की अध्यक्ष श्रीमती अनीता गुप्ता जो कि खुद एक दिव्यांग पैरा एथलेटिक्स भी है द्य दिव्यांगता होते हुए उन्होंने दिव्यांग लोगों के लिए जो काम कर रही हैं उस पर उनको दिल्ली स्टेट अवार्ड भी मिला हुआ है । मां शक्ति के चेयरपर्सन अनिता पंडित ने भी लोगों से शपथ दिलाई के किस तरीके से हम सड़क दुर्घटना से बच सकते हैंद्य लंदन से आई हुई मां शक्ति की सदस्य लता शर्मा जो कि एक लंदन में अधिवक्ता है उन्होंने भी इस मुहिम में मां शक्ति का साथ देने का वायदा किया और लोगों को जागृत किया कि किस तरीके से दुर्घटना से बचा जा सकता है।

फरीदाबाद से जगजीत सिंह जी, रमेश पार्क से धीरज कुमार, करोल बाग से श्याम सुंदर, छतरपुर मंदिर से श्री एन के सेठी जी, नोएडा से सीए श्री ध्रुव अग्रवाल एवं मां शक्ति की टीम से अधिवक्ता राघव नारायण, अधिवक्ता पल्लवी दुबे और अधिवक्ता माधव नारायण, सतीश शर्मा जी एवं सिद्धार्थ का सहयोग मिला ।

याचिकाकर्ता की मांग- समलैंगिक विवाह का पंजीकरण धर्म-तटस्थ या केवल धर्मनिरपेक्ष कानून के तहत हो

नई दिल्ली। समलैंगिक जोड़ों के विवाह हिन्दू विवाह अधिनियम के तहत पंजीकरण की मांग को लेकर दायर याचिका पर आपत्ति जताते हुए सेवा न्याय उत्थान फाउंडेशन नाम के एक एनजीओ ने याचिका दायर कर मामले में पक्ष बनाने का आग्रह किया है।

याची ने तर्क रखा कि हिंदू धर्म के अनुसार विवाह एक अनुबंध नहीं बल्कि एक धार्मिक गतिविधि है। हिंदू विवाह अधिनियम के साथ इस तरह से छेड़छाड़ करने का कोई भी प्रयास जो हिंदुओं की सदियों पुरानी हानिरहित मान्यताओं को प्रभावित करेगा।

अधिवक्ता शशांक शेखर झा के माध्यम से दायर आवेदन में कहा गया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत समलैंगिक विवाह के संबंध में मंजूरी न कि भारत में मौजूद अन्य व्यक्तिगत कानूनों में धर्म के आधार पर एलजीबीटी समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव होगा।

याची ने तर्क रखा कि विवाह या तो विशेष विवाह अधिनियम जैसे धर्मनिरपेक्ष कानून के तहत पंजीकृत होना चाहिए या मुस्लिम विवाह कानून और सिख आनंद विवाह अधिनियम जैसे सभी धार्मिक कानूनों के तहत अनुमति दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा हिंदू धर्म के अनुसार, विवाह एक अनुबंध नहीं बल्कि एक धार्मिक गतिविधि है। तर्क दिया गया कि हिंदू विवाह अधिनियम के साथ इस तरह से छेड़छाड़ करने का कोई भी प्रयास जो हिंदुओं की सदियों पुरानी हानिरहित मान्यताओं को प्रभावित करता है। इससे धर्मनिरपेक्ष राज्य द्वारा हिंदुओं के धार्मिक अधिकारों में प्रत्यक्ष घुसपैठ होगी जिसकी गारंटी संविधान द्वारा दी गई है।

याचिका में कहा गया है हिंदू विवाह अधिनियम 1956 के तहत समान लिंग विवाह की मांग करने वाली तत्काल याचिका न केवल हिंदू विवाह की धार्मिक व्यवस्था के खिलाफ है, बल्कि बिना किसी कारण के अचानक परिवर्तन लाने का कार्य भी है। यह परिवर्तन विरासत जैसे अन्य पहलुओं को प्रभावित करेगा। हिंदू समाज के गोद लेने और धार्मिक पारिस्थितिकी तंत्र जो गंभीर रूप से विवाह के धार्मिक संस्कार पर निर्भर हैं।

याचिका में कहा गया है कि हिंदू विवाह अधिनियम 1956 के तहत इस तरह के विवाह को वैध बनाना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत गारंटीकृत अंतरात्मा की स्वतंत्रता और मुक्त पेशे, धर्म के खिलाफ है।

याची ने कहा अगर इस तरह के विवाह हिंदू विवाह अधिनियम, जैसे विशेष विवाह अधिनियम और विदेशी विवाह अधिनियम के अलावा अन्य अधिनियमों के तहत पंजीकृत हैं तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है। यदि इसे हिंदू विवाह अधिनियम के तहत पंजीकृत होना चाहिए तो यह सभी धर्मों के लिए होना चाहिए न कि मात्र हिन्दू विवाह अधिनियम के तहत।

ओमिक्रॉन वेरिएंट से पूरी दुनिया में चिंता, लेकिन ये है कितना खतरनाक?

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन सामने आने के बाद से पूरी दुनिया में हलचल मची हुई है। देश कोरोना से बचाव संबंधी नियमों में सख्ती कर रहे हैं और यात्रा प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं।

ओमिक्रॉन की सबसे पहले पहचान दक्षिण अफ्रीका में हुई थी। इस वायरस में अब तक के सबसे ज़्यादा 55 म्यूटेशन बताए जा रहे हैं और उसमें 32 म्यूटेशन इसके स्पाइक प्रोटीन में हुए हैं।

दक्षिण अफ्रीका में इस वेरिएंट के मामले तेज़ी से बढ़े और इसी के चलते दुनियाभर के देशों की चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वेरिएंट को चिंता का विषय बताते हुए इसका नाम ओमिक्रॉन रखा था।

ओमिक्रॉन के स्पाइक प्रोटीन में हुए 32 म्यूटेशन बहुत अहम बताए जा रहे हैं क्योंकि इनका संबंध शरीर की कोशिकाओं को संक्रमित करने और प्रतिरक्षा तंत्र से बचने में होता है।

इस तरह के म्यूटेशन कोरोना वायरस के अब तक आ चुके वेरिएंट्स में भी पाए गए हैं। इन वेरिएंट को 'वेरिएंट ऑफ़ कंसर्न' और 'वेरिएंट ऑफ़ इंटरस्ट' की श्रेणी में रखा गया था। जैसे एन501वाई म्यूटेशन जो एल्फ़ा, बीटा और गामा वेरिएंट में हुआ है। टी951, टी478के और जी142डी म्यूटेशंस जो डेल्टा वेरिएंट में हुए हैं। इन म्यूटेशंस के शरीर में मौजूद एसीई2 सेल रिसेप्टर (एस477एन, क्यू498आर) के संपर्क में आने में भूमिका का पता चला है या ये कुछ एंटीबॉडीज़ (जी339डी, एस371एल, एस373पी, एस375एफ़) के क्षेत्रों में पाए गए हैं। म्यूटेशंस के एकसाथ पाए जाने का असर

हालांकि, इन म्यूटेशन के एक साथ पाए जाने पर इनका क्या प्रभाव होगा ये अभी पता लगाया जाना बाकी है। दो म्यूटेशन का एक साथ प्रभाव हमेशा जुड़कर आए ये ज़रूरी नहीं है। इनका प्रभाव ज़्यादा भी हो सकता है और घट भी सकता है यानी ये वायरस को और ख़तरनाक या कमज़ोर दोनों बना सकते हैं।

इस वेरिएंट के ज़्यादा संक्रामक होने या प्रतिरक्षा तंत्र से बच निकलने की अधिक क्षमता होने को लेकर जब तक शोध के परिणाम नहीं आ जाते और हमारे पास जीनोम (जीनों का समूह) निरीक्षण के आंकड़े नहीं होते तब तक अत्यधिक सतर्क होना या सतर्कता कम करना भी ठीक नहीं है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वेरिएंट ऑफ़ कंसर्न इसलिए कहा है क्योंकि इसमें संक्रमण का ख़तरा ज़्यादा हो सकता है। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि के लिए कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दक्षिण अफ़्रीका में मामले बढ़ना

दक्षिण अफ़्रीका में कोरोना के इस वेरिएंट के मामले तेज़ी से बढ़ने के चलते चिंता जताई गई है।

ये हैरानी की बात नहीं है कि दक्षिण अफ़्रीका में इस वेरिएंट का पता चला है क्योंकि ये सार्स-कोविड-2 के लिए सबसे अच्छी जीनोमिक निगरानी प्रणाली वाले देशों में से एक है और यहां वैक्सीनेशन अन्य अफ़्रीकी देशों की तरह ही तेज़ी से नहीं बढ़ पाया है।

दक्षिण अफ़्रीका में ये वेरिएंट गौतेंग प्रांत में पाया गया था। इसका पता ऐसे समय पर चला है जब इस इलाक़े में एक लाख में से 10 मामले सामने आ रहे थे।

ऐसी स्थितियों में कोई वेरिएंट तेज़ी से संक्रमण फैलाता है और मामले बढ़ जाते हैं। उसकी संक्रामकता ज़्यादा लगती है लेकिन ये भी है कि उस समय कोई और वेरिएंट मौजूदा नहीं होता जिससे उसे प्रतिस्पर्धा करनी पड़े।

लेकिन, इसके साथ ही एक सवाल ये भी है कि इतने म्यूटेशन वाला वेरिएंट कैसे पनपता है।

इसका कोई पुख्ता जवाब नहीं है। अंदाज़ा ये है कि ये वेरिएंट ऐसे मरीज़ में विकसित हुआ होगा जिसकी प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर हो और वो लंबे समय तक संक्रमित रहा हो। इसके बाद ये दूसरे लोगों में फैल गया जिसकी अभी जानकारी नहीं मिली है।

हम क्या कर सकते हैं

ओमिक्रॉन से बचाव को लेकर भी हमारे पास वही तरीक़े हैं जो दूसरे वेरिएंट्स के लिए हैं यानी वैक्सीन, मास्क, दूरी बनाए रखना और बंद कमरों में वेंटिलेशन।

इससे आप वायरस के कम से कम संपर्क में आएंगे और उसका फैलाव कम हो जाएगा। वहीं, ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को वैक्सीनेट करने से वायरस के लिए नए म्यूटेशन के मौक़े भी सीमित हो जाएंगे।

हालांकि, हमे लगा था कि डेल्टा वेरिएंट के बाद वेरिएंट ऑफ़ कंसर्न वाले नए वेरिएंट का आना मुश्किल होगा लेकिन ओमिक्रॉन ने हमें हैरान कर दिया।

भले ही ये ओमिक्रॉन वेरिएंट ऑफ़ कंसर्न बनने लायक गंभीर हो या नहीं लेकिन ये साफ़ है कि कोविड-19 वायरस का विकास हमें आगे भी हैरान कर सकता है। हम जितनी जल्दी इन आशंकाओं को कम कर दें उतना सभी के लिए अच्छा होगा।

SC ने केंद्र के फ्लाईंग स्कवायड और टास्क फोर्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली- NCR प्रदूषण मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान प्रदूषण पर मीडिया रिपोर्टस पर सुप्रीम कोर्ट ने फिर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि कुछ लोग ये कहने लगे कि हम स्टूडेंट्स के समर्थन में नहीं हैं। हमनें ये कब कहा कि हम दिल्ली सरकार को चलाकर प्रशासन करेंगे? आज के पेपर देखिए। आप जा सकते हैं और लोगों को समझा सकते हैं। प्रदूषण पर दिल्ली सरकार का स्ट्र में हलफनामा, 20 से अधिक कोविड अस्पतालों में निर्माण कार्य की अनुमति मांगी

वहीं सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हमने थोड़ी देर से हलफनामा दाखिल किया है। हमारा आग्रह है कि कुछ दिन इस मैकेनिज्म को काम करने दिया जाए।

मैं किसी से लड़ता नहीं, पर युद्ध हुआ तो तीनों सेनाएं 1971 जैसा हाल करेंगी : सेना प्रमुख

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकंद नरवणे ने कहा 1971 के युद्ध के समय मैं सिर्फ 11 साल का था। इसलिए युद्ध में नहीं था। वैसे भी मैं किसी से लड़ता नहीं हूं। लेकिन भविष्य में युद्ध हुआ तो तीनों भारतीय सेनाएं 1971 जैसा हाल कर देंगी। जनरल नरवणे एजेंडा आजतक के सेशन सबसे बड़ी जीत के 50 साल में बोल रहे थे। ये सेशन 1971 में पाकिस्तान पर हासिल जीत पर रखा गया था। 3 दिसंबर 1971 को ही भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान से जीत हासिल की थी। जनरल नरवणे ने बताया कि 1971 के युद्ध के समय मेरे पिता जी दिल्ली में तैनात थे। हम वसंत बिहार में रहते थे। हमें बताया गया था कि युद्ध की तैयारी करें। हमने खिड़कियों पर काले कागज लगवाए थे। ।जब सायरन बजता था तब वो जरूरी निर्देशों का पालन करते थे। हम भी चेक करने वाली टीम में शामिल होकर ये देखते थे कोई इस आदेश का पालन कर रहा है या नहीं। डंडा लेकर हर दरवाजे को पीटते थे या चेक करते थे। तब ये नहीं सोचा था कि मैं सेनाध्यक्ष बनूंगा।

नई दिल्ली करोलबाग के मोतिया खान में निराली ए सोसाइटी फॉर सोशल वेलफेयर की महासचिव सोना कुमारी द्वारा ई श्रम कार्ड का एक शिविर लगाया गया जिसमें मुख्य अतिथि माता झंडेवाली मंदिर के ट्रस्ट श्री रविंद्र गोयल मुख्य अतिथि रुप में पहुंचे साथ ही निराली एनजीओ राष्ट्रीय अध्यक्ष भोपाल राजपूत करण इस अवसर पर उपस्थित रहे शिविर का लाभ लगभग 200 लोगों द्वारा उठाया गया साथ ही यह शिविर 2 दिन तक चला

काबू में महामारी

कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन ने चिंताएं बढ़ा दी हैं, लेकिन हमारे देश में महामारी बहुत हद तक काबू में है। ब्लूमबर्ग कोविड प्रतिकार सूचकांक में 19 स्थानों की छलांग लगाते हुए भारत अब 26वें पायदान पर पहुंच गया है। यह सूची 53 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के अध्ययन के आधार पर तैयार की गयी है। कुछ माह पहले महामारी की दूसरी लहर के दौरान हमारे देश में सबसे तेज गति से संक्रमण फैल रहा था और रोज के मामलों की संख्या कई दिनों तक चार लाख से ज्यादा रही थी। लेकिन कुछ दिन पहले तक यह आंकड़ा सात हजार से भी नीचे आ गया था, पर बीते दो-तीन दिन से संक्रमण में वृद्धि हुई है और गुरुवार को नये संक्रमितों की संख्या 9765 रही। लेकिन सक्रिय संक्रमित एक लाख से कम हैं। अगर कुल मामलों के हिसाब से देखें, तो यह आंकड़ा एक प्रतिशत से भी कम है। संक्रमण से मुक्त होने की दर 98.35 प्रतिशत है। महामारी से बहुत अधिक प्रभावित होने के बाद देश की वर्तमान स्थिति निश्चित रूप से संतोषजनक है। ब्लूमबर्ग सूचकांक में भारत के अच्छे प्रदर्शन के जो आधार बताये गये हैं, उनमें आर्थिक गतिविधियों में तेजी और टीकाकरण अभियान हैं। पहली लहर के दौरान लगायी गयी पाबंदियों को हटाने के बाद पिछले साल सितंबर से दिसंबर और इस साल जनवरी तक अर्थव्यवस्था में उत्साहजनक सुधार हुआ था। आक्रामक दूसरी लहर में पिछले अनुभवों से सीख लेते हुए सोच-समझकर रोक लगायी गयी थी और फिर तमाम गतिविधियों को धीरे-धीरे सामान्य गति देने का प्रयास हुआ।

इसका परिणाम चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि के 8.4 प्रतिशत रहने के रूप में हमारे सामने है। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वर्ष की वृद्धि दर नौ से दस प्रतिशत के आसपास रह सकती है। हालांकि नये वायरस की वजह से इस माह सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अनुमति देने का निर्णय स्थगित कर दिया गया है, लेकिन अब तक विदेशी और घरेलू उड़ानों के मामले में भारत का उल्लेखनीय प्रदर्शन रहा है।

वैश्विक स्तर पर उड़ान क्षमता के मामले में भारत शीर्ष के दस देशों में शामिल है। प्रारंभिक समस्याओं से उबरते हुए टीकाकरण अभियान भी संतोषजनक गति से आगे बढ़ रहा है। अब तक सवा सौ अरब से अधिक खुराक दी जा चुकी है। देश की 32 प्रतिशत वयस्क आबादी को कोरोना टीके की दोनों खुराक दी जा चुकी है। अब टीके की आपूर्ति की समस्या भी नहीं है और एक बार फिर भारत ने दूसरे देशों को देश में निर्मित टीकों को भेजने का सिलसिला शुरू कर दिया है। बच्चों एवं 18 साल से कम आयु के किशोरों के लिए भी जल्दी टीके उपलब्ध होंगे। फिर भी टीकाकरण तेज किया जाना चाहिए ताकि ओमिक्रॉन समेत भविष्य के अन्य कोरोना वायरसों से बचाव संभव हो सके। साथ ही, वायरस और टीकों से जुड़े शोध को बेहतर किया जाना चाहिए।

प्रदूषण पर फटकार

जब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा है, तब सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी स्वाभाविक ही नहीं, जरूरी भी है। गुरुवार को देश की सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश एन वी रमन्ना ने यहां तक कह दिया कि 'हमें लगता है कि कुछ नहीं हो रहा है और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। केवल समय बर्बाद किया जा रहा है।' यह लगातार चौथा सप्ताह है, जब अदालत ने राजधानी और आसपास के शहरों में प्रदूषण पर सुनवाई की है। सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए अदालत ने केंद्र, दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्यों को औद्योगिक व वाहनों से होने वाले प्रदूषण के खिलाफ कार्रवाई के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। महज 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करके दिखाने की चेतावनी की गंभीरता समझने की जरूरत है। यहां प्रदूषण लगातार ऐसे बना हुआ है कि बहुत सारे लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। शहरों में न धूप निकल रही है और हवा साफ है। गुरुवार को हल्की बूंदाबांदी भी हुई है। साल-दर-साल बढ़ते जा रहे प्रदूषण का कोई ठोस इलाज सरकार के पास नहीं है। पराली जलाने की घटनाएं इस साल पहले की तुलना में ज्यादा हुई हैं। ऐसा लगता है कि सरकारों ने पराली जलाने की समस्या के सामने घुटने टेक दिए हैं। अफसोस, सरकार की नीतियां ऐसी हैं कि लोग ज्यादा से ज्यादा वाहन खरीद रहे हैं। दिल्ली में कभी सड़कों पर वाहनों की संख्या को कम करने के लिए मेट्रो रेल चलाई गई थी, सीएनजी जैसे इंतजाम किए गए थे, लेकिन वाहनों और प्रदूषण की समस्या समय के साथ बढ़ती चली जा रही है। प्रदूषण घटाने की बड़ी-बड़ी कोशिशें नाकाम हो रही हैं। क्या सरकारों के दावे कागजी ही हैं? क्या सरकारों के पास ऐसे उपाय हैं, जिनसे तत्काल राहत मिले? क्या 24 घंटे में दिल्ली में प्रदूषण को कम किया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद दिल्ली सरकार ने अगले आदेश तक स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया है, लेकिन क्या सभी राज्य सरकारों ने भी ऐसा किया है? स्कूलों को बंद करना बच्चों की स्वास्थ्य रक्षा के लिए जरूरी है, लेकिन क्या मात्र इससे प्रदूषण में कमी आएगी? सुप्रीम कोर्ट सख्त कार्रवाई चाहता है, ताकि प्रदूषण तत्काल कम किया जा सके? तो ऐसे क्या प्रबंध हो सकते हैं, जिनसे प्रदूषण पर लगाम लगे? केंद्र सरकार और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकारों ने यदि कदम नहीं उठाए, तो सुप्रीम कोर्ट अपनी ओर से सख्त पहल कर सकता है, जिससे सरकारों की परेशानी बढ़ सकती है। हमारी व्यवस्था के साथ यह समस्या है, जब मुसीबत सामने खड़ी होती है, तभी हम उसका इलाज खोजना शुरू करते हैं। ज्यादातर शहरों में प्रशासन प्रदूषण, गंदगी और जलभराव इत्यादि समस्याओं के स्वतः समाधान का इंतजार करता है। कोई सरकार मानने को तैयार नहीं होगी कि उसके समय प्रदूषण बढ़ गया, सबका दावा यही होगा कि प्रदूषण नियंत्रण के पूरे उपाय किए गए हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

बिल्ली रस्ता काट दे,तो समझो छयकार
अब बिल्ली के साथ में,देखो खड़े पवार
देखो खड़े पवार,विकल हैं पप्पू भइया
नचा रही बंगाली बिल्ली ता-ता थइया
कह सुरेश पीके भी उड़ा रहा है खिल्ली
बेटवा-बिटिया-मम्मी बनि गै भीगी बिल्ली

अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी !

कोर्ट में श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका में 13 .37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक की मांग की गई है। याचिका में आधा दर्जन भक्तों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और शाही ईदगाह प्रबंध समिति के बीच 1968 में हुए समझौते को अवैध बताते हुए उसे निरस्त करने और मस्जिद को हटाकर पूरी जमीन मंदिर ट्रस्ट को सौंपने की मांग की है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (पूर्व मे सेवा संघ) और शाही ईदगाह मस्जिद के बीच हुए समझौते के मुताबिक तय हुआ था कि मस्जिद जितनी जमीन पर बनी है, बनी रहेगी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के ऐन पहले भाजपा ने ठंडे बस्ते में पड़ा मथुरा की कृष्ण जन्म भूमि का मुद्दा जिस तरह से उछाला है, उसके दो संदेश साफ हैं। पहला तो पार्टी आगामी चुनाव में भी साम्प्रदायिकता के अपने आजमाए हुए पिच पर फिर खेलने जा रही है, दूसरे, भाजपा का यह कमजोर आत्मविश्वास है कि वह योगी राज में सुशासन और विकास जैसे मुद्दों के भरोसे चुनाव जीत पाएगी। वरना अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर विहिप हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने पिछले साल साफ कहा था कि उनकी पहली प्राथमिकता भव्य राम मंदिर का निर्माण है। अर्थात् बाकी मुद्दे अभी गौण हैं। लेकिन सवा साल बाद ही यूपी के उपमुख्यमंत्री और भाजपा में विहिप से आए केशव प्रसाद मौर्य ने हाल में ट्वीट कर नई राजनीतिक सनसनी पैदा कर दी कि 'अयोध्या काशी में भव्य निर्माण जारी, मथुरा की तैयारी।' यह सिर्फ संयोग नहीं है कि काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 दिसंबर को करने जा रहे हैं। मथुरा मुद्दे की राजनीतिक पड़ताल से पहले अयोध्या में बाबरी ध्वंस के समय देश भर में गूंजे नारे को याद करें, वो था- 'अयोध्या पहली झांकी है, मथुरा - काशी बाकी है।'लिहाजा अयोध्या में राम जन्मभूमि विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला हिंदुओं के पक्ष में आने के बाद अब मथुरा विवाद की चुनाव में सियासी लहरें उठाने की तैयारी हो चुकी है। यह मामला भी मथुरा जिला सिविल कोर्ट में चल रहा है। दरअसल,कोर्ट में श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका में 13.37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक की मांग की गई है। याचिका में आधा दर्जन भक्तों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और शाही ईदगाह प्रबंध समिति के बीच 1968 में हुए समझौते को अवैध बताते हुए उसे निरस्त करने और मस्जिद को हटाकर पूरी जमीन मंदिर ट्रस्ट को सौंपने की मांग की है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (पूर्व मे सेवा संघ) और शाही ईदगाह मस्जिद के बीच हुए समझौते के मुताबिक तय हुआ था कि मस्जिद जितनी जमीन पर बनी है, बनी रहेगी। अब श्रीकृष्ण सेवा संस्थान का कहना है कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है, वह श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्ट के नाम पर है और शाही ईदगाह ट्रस्ट ने मुसलमानों की मदद से श्रीकृष्ण से सम्बन्धित जन्मभूमि पर कब्जा कर ईश्वर के स्थान पर एक ढांचे का निर्माण कर दिया। संस्थान के अनुसार भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण का जन्मस्थान उसी ढांचे के नीचे स्थित है। कहा जाता है कि औरंगजेब ने 1669 में श्रीकृष्ण मंदिर ध्वस्त कर उसकी जगह ईदगाह का निर्माण करा दिया था। यह भी मान्यता है कि कुल देवता के रूप में भगवान श्रीकृष्ण का पहला मंदिर श्रीकृष्ण के पड़पोते वज्रनाभ ने बनवाया था। लेकिन इस पूरे प्रकरण में कानूनी पेंच वर्ष 1991 में नरसिम्हा राव सरकार द्वारा पारित धार्मिक आराधना अधिनियम है। इसके मुताबिक 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के समय धार्मिक स्थलों का जो स्वरूप था, उसे बदला नहीं जा सकता। लेकिन उस एक्ट से केवल अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि को अलग रखा गया था। इसका अर्थ यह है कि तब तक कृष्ण जन्म भूमि का विवाद नए सिरे से नहीं उठा था। बेशक, नारे के बतौर यह मुद्दा जरूर रहा है, लेकिन चुनावों में कभी कोर इश्यु नहीं बना। तो अब ऐसा क्या हुआ कि भाजपा को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुद्दे को फिर से जिलाने की जरूरत पड़ गई। पहला तो किसान आंदोलन के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा की हालत पतली होना। यह इलाका ब्रजमंडल भी कहलाता है। इसी को जाट लैंड के रूप में भी जाता है, क्योंकि यहां जाट बड़ी संख्या में रहते हैं और किसान आंदोलन में उनकी अहम भूमिका रही है। दूसरे, ब्रजमंडल में भगवान राम के बजाए श्रीकृष्ण का ज्यादा महत्व रहा है। यहां लोग अभिवादन के रूप में भी 'जय श्रीराम' के बजाए 'जय श्रीकृष्ण' ज्यादा बोलते हैं। भाजपा को लगता है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाने से किसानों में मोदी-योगी सरकार के प्रति नाराजी कम होगी और वो वापस हिंदू छतरी में लौट आएंगे। तीसरे, इस मुददे को उठाने से सरकार के लिए नकारात्मक साबित होने वाले दूसरे मुद्दे दब जाएंगे। चौथे, भगवान कृष्ण उस यादव समाज के मुख्य आराध्य हैं, जिनकी संख्या यूपी में कुल ओबीसी आबादी का करीब 9 फीसदी है। यादव मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के साथ जुड़े हैं। भाजपा को लगता है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाने से यादव वोटों में भी सेंध लगाई जा सकती है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत का कारण यह था कि उसे गैर यादव वोटरों ने भारी समर्थन दिया था। इस बार पार्टी को भरोसा नहीं है कि गैर यादव पहले की तरह भाजपा के साथ खड़े रहेंगे। अगर यादव भाजपा की तरफ खिंचे तो समाजवादी पार्टी को नुकसान होगा, जो इस चुनाव में सत्ता की दूसरी बड़ी दावेदार पार्टी है। योगी आदित्यनाथ के रूप में अगड़ी जाति के संन्यासी को मुख्यमंत्री बनाने से पिछड़ों में असंतोष पहले से है। हालांकि इस पर मरहम लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में 28 ओबीसी नेताओं को जगह दी है। भाजपा को यह दांव इसलिए भी चलना पड़ा है, क्योंकि ब्राह्मण वोट इस बार भी उसके साथ रहेगा, इसका यकीन नहीं है। भाजपा की चिंता इसलिए भी है कि यूपी में ओबीसी मतदाता लोकसभा चुनाव में तो मुख्य रूप से भाजपा को वोट देते हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव में वो अलग-अलग जातियों में बंटकर वोट करते हैं। अगर सपा ओबीसी के साथ-साथ मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा अपने साथ ले गई तो भाजपा को सत्ता से बेदखल कर सकती है। हालांकि यह इतना आसान नहीं है।

ओबीसी वोट गोलबंद करने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जातिगत जनगणना के मुद्दे को फिर हवा दे दी है, जबकि भाजपा इस मुद्दे पर अपनी मुट्ठी बंधी हुई ही रखना चाहती है। भगवान कृष्ण की शिक्षाओं में से एक यह भी है कि वक्त के हिसाब से अपनी रणनीति बदलो। लगता है भाजपा ने इसी को ध्यान में रखकर राम जन्म भूमि मुद्दे को श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुद्दे से रिप्लेस करने का काम शुरू कर दिया है, लेकिन क्या यह मुद्दा राम जन्म भूमि की तरह आंदोलित कर पाएगा, इसका जवाब आने वाले वक्त में मिलेगा।

- अजय बोकिल

मीडिया के लिए खुद पर शिकंजा कसने का समय

कोरोना वायरस के वेरिएंट्स के खिलाफ चल रहे जंग में जिस एक पहलू को ज्यादातर नजरअंदाज किया गया वो है मीडिया की भूमिका। इसमें पहला, तीसरे का हवाला देता है और चौथा भरोसेमंद स्त्रोतों से भेजी गई जानकारियों को हटा देता है। लेकिन पाठकों को अपनी ओर खींचने के लिए जानकारियों को व्यावसायिक नजरिए से फिल्टर कर देता है। लोगों के सामने चीखती हेडलाइन्स और भयावह माहौल परोसा जाता है, क्योंकि हो सकता है कि प्रतिद्वंदी ग्राफिक्स और डरावनी तस्वीरों की मदद से मुद्दे को बढ़ा-चढ़ा कर अपनी कवरेज और आकर्षक बना रहा हो। हालात ऐसे हो गए हैं कि आंकड़ों की छोटी-मोटी गड़बड़ी और कयामत के दिन की कहानियां भी अब स्वीकार्य हो गई हैं। अगर खबरों को ऐसे दिखाना गलत है तो कल्पना कीजिए कि सोशल मीडिया फॉरवर्ड्स से कितनी गंदगी फैलती होंगी। जहां किसी भी खबर की प्रामाणिकता की परवाह किए बिना संदेश लाखों लोगों तक पहुंचा दिए जाते हैं। पिछले दो दिनों में मुझे ऐसे पांच मैसेज मिले हैं जो ओमीक्रॉन की भयावहता को रेखांकित करते हैं। दो मैसेज के मुताबिक यह डेल्टा से आठ गुना ज्यादा खतरनाक है। दूसरे दो मैसेज में लिखा था कि यह कमजोर है और गायब हो जाएगा, क्योंकि यह इतना संक्रामक है कि ऐसे वायरस स्वयं को नष्ट कर देते हैं।

एक संदेश में जॉन्स हॉपकिन्स के एक डॉक्टर विर्क को ये कहते हुए दिखाया गया था कि कोरोना का ये वेरिएंट एंटीबॉडी को पीछे छोड़ देता है और बिना किसी लक्षण के फेफड़ों में घुस जाता है और खामोशी से जान लेने की क्षमता रखता है। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसे मैसेजेज में लगभग एक क्रूर उल्लास का आभास होता है। इन सारी जानकारियों से में काफी उलझन में फंस जाता हूं। इतना ही नहीं, संदेश भेजने वाला हर एक व्यक्ति कहता है कि इसे अपने परिवार और दोस्तों को बतौर चेतावनी भेज दें और इस

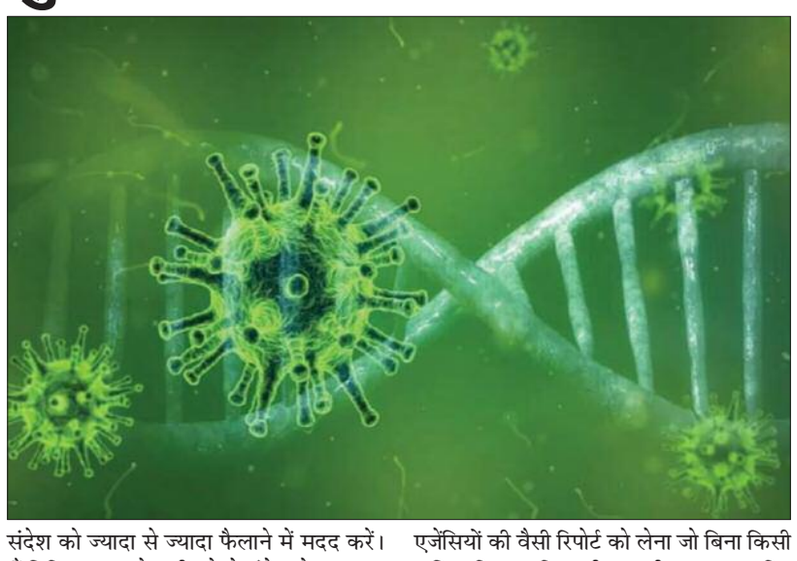

संदेश को ज्यादा से ज्यादा फैलाने में मदद करें। मैं निश्चित रूप से सभी को ये संदेश भेज सकता हूं, लेकिन शायद डा. विर्क को नहीं भेज सकता। चूंकि मैं जॉन्स हॉपकिन्स में किसी को जानता हूं, इसलिए थोड़ी बहुत जासूसी कर डा.विर्क तक पहुंचने की कोशिश करता हूं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि जॉन्स हॉपकिन्स के चिकित्सा विभाग में ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है। इसके अलावा ये भी एक हकीकत है कि कोई भी डॉक्टर इस तरह की अधपकी जानकारियों को आगे नहीं भेजेगा, जिसका कोई वैज्ञानिक आधार न हो और ये कहना भी जल्दबाजी होगी कि इसका कोई असर नहीं पड़ेगा या आगे क्या होगा और अगर दो साल बाद भी आपको दूरी बनाए रखने, मॉस्क पहनने, सुरक्षित रहने और सैनिटाइज़र का उपयोग करने के लिए कहा जाए तो मुमकिन है कि आप ये जंग छोड़ सकते हैं।

ओमीक्रॉन की कवरेज के दौरान मीडिया हर तरह की नाटकीय और भयावह सिद्धांतों को सामने रखने की जल्दबाजी में रहता है। ये उसके गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को ही दर्शाता है। न्यूज एजेंसियों की वैसी रिपोर्ट को लेना जो बिना किसी अधिकारिक व्यक्ति की बातचीत पर आधारित होती हैं, ये दर्शाता है कि मीडिया उन मुद्दों को जैसे-तैसे दर्शकों को परोस देती है। चूंकि सौम्य खबरें नहीं बिकती हैं, इसलिए मीडिया सबसे डरावनी व्याख्या को ही चुनता है। जब मैं ये लिख रहा हूं, एक दैनिक समाचार पत्र के पहले पन्ने पर एक बैनर हेडलाइन्स चीखते हुए कह रही है: दूर-दूर तक फैलता जा रहा है ओमीक्रॉन. फिर ये कहती है कि दुनिया डरी–सहमी हुई है। लोग बड़ी तादाद में उड़ानें रद्द कर रहे हैं और अपने इस दावे को सही ठहराते हुए वो कहता है कि एक व्यक्ति स्कूल की छुट्टियों के दौरान अपनी यात्रा योजनाओं पर फिर से विचार करने की बात कर रहा है। पर्यटन उद्योग संकट में आ जाता है। डॉक्टर अभी भी इसकी ताकत के बारे में कोई ठोस विचार नहीं रख पाए हैं, फिर यह कहता है कि दुनिया भर में 226 मामले दर्ज किए गए हैं जो उस हेडलाइन से दूर-दूर तक मेल खाते नहीं दिखते।

- बिक्रम वोहरा

कठोर कार्रवाई की जरूरत

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) 2021 का प्रश्नपत्र लीक होते ही सरकार से लेकर शासन-प्रशासन तक 'हिला' हुआ है। योगी के तेवर सख्त हैं, क्योंकि वह जानते हैं कि उनकी सरकार में पहली बार पेपर लीक प्रकरण नहीं सामने आया है। मार्च 2017 में योगी के शपथ लेने के बाद यह 5वां मौका है, जब पेपर लीक के चलते सरकार को शर्मसार होना पड़ रहा है। खासकर चुनावी मौसम में टीईटी का परीक्षा लीक होने से विपक्ष को बैठे-बैठाए राजनीति चमकाने का मौका मिल गया है। सीएम योगी पेपर लीक से इतने दुखी हैं कि उन्होंने यहां तक घोषणा कर दी है कि पेपर लीक करने वालों के घरों पर सरकारी बुलडोजर चलेगा। यह अच्छी बात है, लेकिन कार्रवाई तो उन जिम्मेदार सरकारी अधिकारियों के खिलाफ भी होनी चाहिए जिन्होंने वह कदम ही नहीं उठाए, जिससे पेपर लीक की घटना से बचा जा सकता था।

गौरतलब है कि एसटीएफ द्वारा भर्ती परीक्षाओं को फूलप्रूफ बनाने के लिए एक रिपोर्ट शासन को दी गई थी, लेकिन सरकार की नाक के नीचे बैठे अधिकारियों ने इस रिपोर्ट पर अमल करने की बजाए इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। जबकि एसटीएफ द्वारा भर्ती परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी एजेंसियों को और विभाग को कई पत्र भी लिखे गये थे। एसटीएफ ने अपनी रिपोर्ट में पेपर की चेन ऑफ कस्टडी को सबसे मजबूत बनाने का सुझाव दिया था। यूपी टीईटी की परीक्षा देने के लिए करीब 21 लाख अभयार्थी दूर-दराज के क्षेत्रों से परीक्षा सेंटर पर पहुंचे थे, इसमें से कई महिलाएं तो ऐसी थीं जो अपने छह-सात महीने के बच्चे को गोद में लिए परीक्षा देने आईं थीं। वैसे भी सरकारी प्रवेश परीक्षा देना कोई आसान काम नहीं होता है। नौकरी की तलाश में भटक रहे युवक-युवतियों को सुबह परीक्षा देने के लिए अपने गांव-शहर से एक दिन पूर्व निकलना पड़ता है, परीक्षार्थी जिस दिन परीक्षा होती है, उससे एक दिन पूर्व सेंटर जाकर देखते हैं। इसके बाद किसी की रात प्लेटफार्म पर तो किसी की धर्मशाला में गुजरती है। युवा परीक्षार्थी तो फिर भी किसी तरह मैनेज कर लेते हैं, लेकिन असली समस्या लड़कियों की होती है जिन्हें रहने से लेकर खाने-पीने, वॉशरूम तक की जरूरत होती है।

रविवार की सुबह जब परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र पर पहुंचे तभी पता चल गया कि पर्चा लीक हो गया है। इसके बाद घर वापसी ही होड़ मच गई। लेकिन यहां भी सरकार की नाकामी मुंह बाय खड़ी दिखी। रोडवेज के अधिकारी लौट रहे परीक्षार्थियों के लिए न पर्याप्त बसों की व्यवस्था कर पाए, न ही मुख्यमंत्री का आदेश रोडवेज के अधिकारियों तक पहुंचा जिसमें उन्होंने कहा था कि लौट रहे परीक्षार्थियों से बस का किराया नहीं लिया जाएगा। वह एडमिट कार्ड दिखाकर बस से गंतव्य तक जा सकेंगे। अब योगी सरकार ने एक माह के भीतर पुनः परीक्षा कराये जाने की बात कही है।

-अजय कुमार

आज का कार्टून

साभार

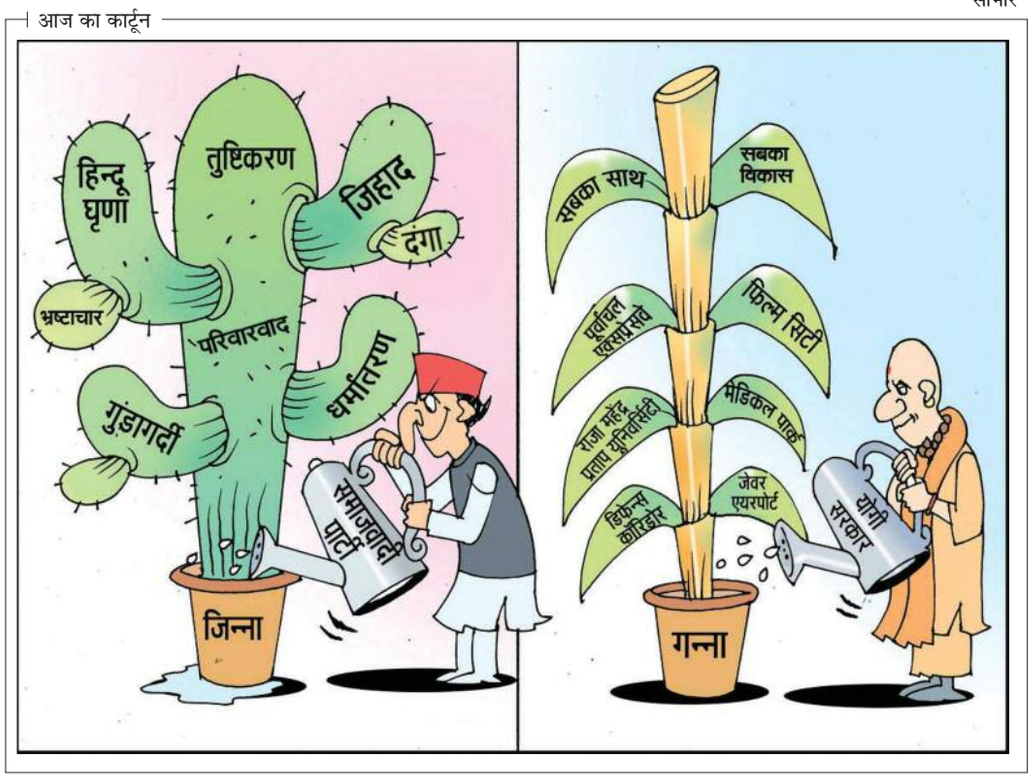

अखिलेश को सत्ता तक कैसे पहुंचाएगी दीदी

राजनीति की थोड़ी-सी भी समझ रखने वाले लोग ये जानते हैं कि दिल्ली के सिंहासन तक पहुंचने का रास्ता हमेशा से उत्तरप्रदेश ही तय करता आया है। लिहाजा अगले साल यूपी में होने वाले चुनाव सिर्फ इसलिए ही महत्वपूर्ण नहीं हैं कि योगी आदित्यनाथ को दोबारा उस कुर्सी पर बैठना है। उसके लिए तो डबल इंजिन वाली सरकार हर मुमकिन काम कर ही रही है। लेकिन ये चुनाव इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि पांच साल बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे एक तरह से सीधी और आरपार की लड़ाई में बदल देने पर अपना सारा जोर लगा दिया है। बेशक अखिलेश अपनी साइकिल को पांच साल बाद फिर से लखनऊ तक ले जाने का सपना देख रहे हैं लेकिन इस बार उनके चुनाव-अभियान का सारा फोकस ममता बनर्जी के बंगाल चुनाव की तर्ज़ पर है,जहां उन्होंने आम लोगों से सीधा संवाद करने में कामयाबी हासिल करके एक बड़ी लड़ाई जीती. फिलहाल तो सियासत का कोई बड़ा नजूमी भी नहीं बता सकता कि अखिलेश का ये 'खेला होइबे' वाला बंगाल प्रयोग कितना कामयाब होगा लेकिन इसने भाजपा को थोड़ा सेल्फ फुट पर खेलने के लिए मजबूर तो कर ही दिया है। यूपी का चुनाव-प्रचार जब उफान पर होगा और तब ममता बनर्जी जया बच्चन व डिंपल यादव के साथ एक ही रथ पर सवार होकर सपा के लिए वोट मांगने निकलेंगीं,तो उसका कुछ फायदा अखिलेश यादव को होने की हकीकत को झुठलाया नहीं जा सकता। कहते हैं कि राजनीति भी किसी पंसारी के उस धंधे से कम नहीं है,जहां एक हाथ दे और दूसरे हाथ ले से ही सारा कामकाज सिरे चढ़ता है। सो ममता अगर यूपी में आकर अखिलेश के लिए वोट मांगेंगी,तो इसमें उनका भी स्वार्थ जुड़ा हुआ है, क्योंकि 2024 के लोकसभा के चुनावी नतीजों के बाद दिल्ली की गद्दी तक पहुंचने के लिए उन्हें भी सपा के समर्थन की दरकार होगी। अब ये अलग बात है कि तब तक यूपी की क्या तस्वीर बनेगी और सपा कितनी सीटों पर जीत हासिल करेगी लेकिन, एक चतुर नेता पहले ही ये ताड़ लेता है कि किसी खास जगह जाने से अगर मुझे फायदा न भी मिल पाये लेकिन उससे मेरा कोई नुकसान नहीं होता है,तो वह उस जगह जाने से कभी परहेज नहीं करता है। सियासत का हर स्वाद चख चुकी ममता जानती हैं कि यूपी में सपा ही एक ताकतवर विपक्ष की भूमिका में है और अगर उसे सत्ता न भी मिल पाई, तब भी वो उनके लिए ऐसा मजबूत सियासी औजार है, जो उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पीएम पद का उम्मीदवार बनाने के लिए सबसे बड़ी झंडाबरदार पार्टी बनकर खड़ी हो जायेगी। लिहाजा, यूपी के कुछ प्रमुख शहरों में जाकर समाजवादी पार्टी के लिए प्रचार करना, ममता के लिए कहीं से भी घाटे का सौदा नहीं कहा जा सकता। वहीं अखिलेश के लिये तो ममता का आना ही एक बड़े फायदे वाला सौदा साबित हो सकता है। वह इसलिए कि ममता बनर्जी के यूपी में आने से न सिर्फ उनकी टीआरपी बढ़ेगी बल्कि उनके भाषणों का सीधा असर महिलाओं व कमजोर वर्ग के वोटरों पर पड़ेगा क्योंकि मोदी-योगी सरकार के खिलाफ जनता से जुड़े मसलों को लेकर वे जितनी आग उगलती हैं,उतनी तो अखिलेश सोच भी नहीं पाते। हालांकि,अखाड़े में कूदने से पहले ही योगी आदित्यनाथ की सरकार को लेकर अखिलेश की भाषा अब कुछ वैसी होती जा रही है,जो अपने प्रतिद्वंद्वी पहलवान को मनोवैज्ञानिक तरीक़े से कमजोर करने का दांव खेलता है.कल एबीपी न्यूज़ को दिए एक खास इंटरव्यू में अखिलेश यादव ने एक नए जुमले का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा है कि यूपी की जनता को योगी नहीं बल्कि योग्य सरकार चाहिये। इससे पहले उन्होंने इस तरह से सीधे-सीधे योगी पर हमला नहीं किया था, वे भाजपा सरकार को अपने निशाने पर ले रहे थे। लिहाजा, इस बयान के पीछे उनके ऐसे सलाहकारों का दिमाग है,जो ब्राह्मण वर्ग की उस नाराजगी को अपने पक्ष में भुनाना चाहते हैं, जो योगी के तौरतरीकों को कहीं न कहीं सही नहीं ठहराते। इसकी सियासी गहराई को समझें, तो मकसद ये भी है कि योगी से खफा ऐसा वर्ग भले ही सपा की बजाय कांग्रेस को वोट दे दे लेकिन वो योगी के बहाने भाजपा को अपना हमदर्द समझने के भुलावे में आये।

-नरेन्द्र भल्ला

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

बाइको की भिड़त में गम्भीर रूप से घायल हुआ युवक

स्योहारा।

नगर व क्षेत्र में आजकल सड़क हादसे होना आम हो चला है इसी क्रम में बीती रात लगभग 11 बजे धामपुर मार्ग पर हुए एक और सड़क हादसे ने एक युवक की जान खतरे में डाल दी है, प्राप्त जानकारी के अनुसार नगीना निवासी सतीश कुमार पुत्र नामालूम निवसी नगीना धामपुर मार्ग से होते हुए घर को लौट रहा था जब वो ग्राम झिल्ला में पहुंचा तो झिल्ला निवासी ही एक अन्य बाइक सवार से उसकी भिड़त हो गयी जिस कारण सतीश गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको 108 की मदद से सीएचसी लाया गया जहां से उसको हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

खेल प्रतिभा खोज 11 दिसंबर से शुरू होगी

मेजा प्रयागराज। जय सरकार की खेलो भारत एवं फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत इस वर्ष लहरी भैया सोशल फाउंडेशन ÷ ने खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में खेल प्रतिभा खोज के अंतर्गत वालीबाल खेल में बालकों की कुल 8 क्षेत्रीय टीमों को गोद लेकर खेल जगत में एक ऐतिहासिक मिसाल कायम किया है। उपरोक्त सभी टीमों के मध्य कुल 7 श्रृंखलाओं में सब-जूनियर बालकों की प्रतियोगिताएं आयोजित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी प्रतियोगिताएं जिला वालीबाल संघ,प्रयागराज की देखरेख में क्षेत्र के विभिन्न अंचलों में खेली जायेगी। लहरी भैया सोशल फाउंडेशन के संयोजक एवं जिला वॉलीबाल संघ के संरक्षक श्यामकांत शुक्ला ने बताया कि सब-जूनियर (अंडर-16) बालकों की लीग 2021-22 के प्रतियोगिता की पहली श्रृंखला स्थानीय मेजारोड स्थित सोरांवपाँती के सार्वजनिक खेल मैदान में आगामी 11 दिसंबर को शुरू होगी।

कोतवाली पुलिस ने ज़िला बदर हुए आरोपी को 2 कारतूस सहित गिरफ्तार किया

बेहट। कोतवाली पुलिस ने कस्बे के मुर्तजापुर रोड पर सरकारी अस्पताल के पास से से एक जिला बदर को तमंचा व 2 जिंदा कारतूस सहित पकड़कर कानूनी कार्यवाही कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार पांडेय ने बताया की पुलिस ने गश्त के दौरान कस्बे के मुर्तजापुर रोड के पास सरकारी अस्पताल के पास में 6 माह के लिए जिला बदर हुए आसिफ उर्फ अच्छू पुत्र इरफान निवासी फूल कालोनी कोतवाली बेहट पोक एक देसी 315 बोर का तमंचा व दो जिंदा कारतूस शहीद सहित गिरफ्तार किया है वही फरार चल रहे गांव चौहड़पुर कला के बिजेंद्र पुत्र मलखान सिंह को उसके घर से दबोच लिया पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करते हुए उनका चालान कर दिया है।

थाना बड़गांव एक वाहन चोर गिरफ्तार किया

सहारनपुर। थाना बड़गांव पुलिस द्वारा वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक वाहन चोर को किया गिरफ्तार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर द्वारा जनपद में वाहन चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के अंतर्गत, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी देवबंद के कुशल नेतृत्व में थाना बड़गांव पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर सर्विस रोड नहर पुल से एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना बड़गांव पुलिस के उपनिरीक्षक अमरपाल सिंह व उनकी टीम द्वारा थाने में पंजीकृत मुकदमा संख्या 195/ 21 धारा 379 भादवी से संबंधित वांछित अभियुक्त अंकित पुत्र पप्पू उर्फ विनोद निवासी ग्राम चिराग थाना बड़गांव जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से उक्त मुकदमे से संबंधित चोरी की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

7प्रतिशत जीएसटी बढ़ाने के विरोध में व्यापारियों ने फूंका जीएसटी का पुतला

सहारनपुर/संवाददाता। सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल महानगर इकाई द्वारा जी एस टी की दरों में 7 प्रतिशत की गयी वृद्धि के विरोध में आन्दोलन आरम्भ किया गया। जिसमे संयुक्त व्यापार संघ, गुच्छा मार्किट एसोसिएशन, राजन मार्किट एसोसिएशन, सदर बाजार एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से पुल दाल मण्डी पर जोरदार नारेबाजी के बीच जी एस टी का पूतला फूका गया। व्यापारियों को सम्बोधित करते हुये महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा व महामंत्री सुरेन्द्र मोहन सिंह चावला ने कहा कि टैक्सटाईलस, फुटवियर, स्टैशनरी, हौजरी व सौर इन्वेटर, बैटरी पर 7 प्रतिशत कि वृद्धि के प्रस्ताव को अविलम्ब रोलबेक करे सरकार। उन्होंने कहा कि पूरे देश के 7 करोड व्यापारी नोट बन्दी, उसके पश्चात कोरोना तत्पश्चात अब 7 प्रतिशत की वृद्धि सरकार के व्यापारी विरोधी होने का प्रमाण है। उन्होने कहा कि 1 दिसम्बर से देश व्यापी जी एस टी रोलबेक अभियान व्यापारियों द्वारा आरम्भ कर दिया है। व्यापारी संकल्पबध्द है कि 7 प्रतिशत कि वृद्धि को स्वीकार नहीं करेगा व्यापारियो ने 30 प्रतिशत अधिक टैक्स देकर सरकार को मालामाल किया हुआ है ऐसे में और 7 प्रतिशत की वृद्धि देश के व्यापारियों के व्यापार की कमर तोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि 70 वर्षों तक देश का समुचा और राजनैतिक तन्त्र रोटी, कपडा और मकान को कर मुक्त रखने की वकालत करता रहा है इसके विपरित 2017 मे जी एस टी के प्रारम्भ करने के समय कपड़े पर व ब्रांडेड खाद्यानो के नाम पर 5 प्रतिशत की दर से जी एस टी थोप दिया गया जिसे अब 12 प्रतिशत किया जा रहा है जोकि अव्यवहारिक है। उन्होने व्यापारियो से अपील की कि फेसबुक, व्हटसऐप के माध्यम से सरकार के इस निर्णय का बढचढ कर विरोध करे उन्होंने कहा कि जी एस टी की वृद्धि से केवल व्यापारी ही नहीं 135 करोड़ जनता पर भी महगाई वृद्धि की मार पडेगी।

प्रदर्शन को प्रमुख रूप से संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष सूरज प्रकाश ठक्कर, महामंत्री दीपक खेडा, गुच्छा मार्किट के अध्यक्ष भारत भूषण भारती व महामंत्री विजय बाठला, सदर बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव गुम्बर, राजन मार्किट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुदर्शन जुनेजा, मदन लाम्बा, राजकुमार विज द्वारा सम्बोधित किया गया। इस दौरान प्रदर्शन में कृष्ण लाल ठक्कर, राम राजीव सिंघल, आर के मल्होत्रा, राजपाल सिहं, डी के गुप्ता, राजीव मदान, अशोक छाबडा, अनुभव शर्मा, मुकेश सेठ, मुकेश धनगर, नीरज जैन, भरत मिगलानी, संजय गुप्ता, सचिन मनोचा, ऋषिराज धीगडा, सतीश साहनी, मनमोहन वर्मा, मुकेश धवन, प्रमोद साहनी, घनश्याम माहेशवरी, मोहित मोघा, कुलदीप विज, अशोक नारंग, संजय चुध, नीरज सेठ, अमित ठक्कर, सतीश मिगलानी, मुकेश गुप्ता, अर्जुन, तरूण, दीपक मदान, सुशील मदान, रवि जसूजा, देव खुराना, श्याम खेडा, अमित कालडा, राजू सोनी, राजू खेडा, अंकुश खेडा, कैन्हया उपस्थित रहे।

रामपुर में 193 सेंटरों पर लोगों को नहीं लग पा रहा है कोरोना का टीका

मुरादाबाद। रामपुर में वेतन विसंगति, समायोजन आदि मांगों को लेकर हड़ताल पर गए एनएचएम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) के संविदा कमिज़्यों का धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। सीएमओ कायाज़्लय परिसर में धरने पर बैठे संविदा कमिज़्यों ने नारेबाजी की। चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक हड़ताल खत्म नहीं की जाएगी। हड़ताल से 193 सेंटरों पर वैक्सीनेशन का कायज़ ठप है। संविदा कमिज़्यों की यह हड़ताल उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कमज़्चारी संघ के प्रदेश स्तरीय आह्वान पर की गई है।

30 नवंबर से जिले में तैनात संविदा पर तैनात चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, एएनएम, एनएचएम के अधिकारी व कमज़्चारी कमीज़ हड़ताल पर हैं।

मण्डलायुक्त ने माघ मेला-2022 की तैयारियों के प्रगति की समीक्षा की

मण्डलायुक्त ने मैन पॉवर बढ़ाकर पाण्टुन पुलों व चकर्ड प्लेट बिछाये जाने कार्यों को तेजी के साथ पूरा कराये जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में माघ मेला-2022 की तैयारियों की प्रगति के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों को माघ मेला-2022 को दिव्य, भव्य तथा सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां को समय से सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने पीडब्लूडी, सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, मेला प्राधिकरण, गंगा प्रदूषण सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को अपने विभाग से सम्बंधित कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कार्य को पूर्ण करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। मण्डलायुक्त ने पार्किंग एवं टैफिक व्यवस्था के सम्बंध में भी व्यवस्थित कार्य योजना के अनुसार कार्य कराये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने मेला क्षेत्र की बसावट में कोविड-19 से सम्बंधित मानकों का ध्यान रखते हुए कार्य योजना तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने पीडब्लूडी को मैन पॉवर बढ़ाकर पाण्टुन पुलों के निर्माण कार्य को तेजी के साथ निर्धारित समय में पूरा कराये जाने के निर्देश दिये है साथ ही चकर्ड प्लेट बिछाये जाने कार्य को भी तेजी के साथ कराये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने मेला क्षेत्र में सही स्थानों पर शौचालयों को स्थापित कराये जाने के लिए कहा है। कोविड टेस्टिंग सेंटर को मेला क्षेत्र में प्रवेश वाले स्थानों पर लगाये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मेला क्षेत्र में जर्जर तारों का प्रयोग न करने के लिए कहा। साथ ही मेला क्षेत्र में एलईडी/सीएफएल बल्ब को लगाने के लिए कहा है। उन्होंने भूमि समतलीकरण के कार्य को तेजी से पूरा कराने व इस कार्य में लगे टैक्टरों की संख्या को बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के लिए बनाये गये चेंजिंग रूम में भी साफ-सफाई की व्यवस्था, पब्लिक एड्रेस सिस्टम के साथ-साथ अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के सम्बंध में भी कार्य योजना के अनुसार कार्य कराये जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, मेलाधिकारी शेषमणि पाण्डेय, एस0पी0 टैफिक सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चांद चोधरी के नेतृत्व में प्रतिज्ञा यात्रा मेंपहुँचे सेकड़ो लोग

सहसपुर। कल मुरादाबाद में आयोजित हुई प्रियंका गांधी की प्रतिज्ञा यात्रा में सहसपुर कांग्रेस नगराध्यक्ष के नेतृव में कस्बे से दर्जनों लोग पहुंचे और यात्रा को सफलबनाने में भागीदारी की। भारी भीड़ ले जाने से पार्टी नेतृव में चांद चोधरी का कद ऊंचा हुआ है तो साथ ही लोगो ने कांग्रेस में भी आस्था जताई है।

किन्नरों ने लगाया नकली किन्नरों पर उगाही करने का आरोप

स्योहारा। ग्राम फैजुल्लापुर निवासी किन्नर पुनम उर्फ सोनिया व रेशमा ने थाने में दी तहरीर में बताया है कि अपने उस्ताद स्व. जलवा उर्फ राधा किन्नर की वसीयत के मुताबिक अपने क्षेत्र में नाच गाकर अपना जीवन गुजार रहे हैं, उन्होंने आगे बताया कि 1 दिसम्बर को अमजद ,व अंसार पुत्रगण अबरार अहमद निवासी माधुपुरा ने नकली किन्नर बन अपना भेष बदलकर उनके क्षेत्र में स्थित जीवन साथी बैंकट हाल से बधाई उठा ली पीड़ित किन्नरों ने जब इस बात का विरोध उनसे जताया तो उक्त नकली किन्नरों ने गाली गलौच करते हुए व अपने अन्य साथियों को बुलाकर उनसे मारपीट कर डाली व धमकी दी कि यदि उनके काम मे अब रुकावट की तो दोनों भाई अपना लिंग कटवाकर तुम्हें व तुम्हारे मकान मालिक को झूठे मुकदमे में फ़सवा देंगे।

अब डरे सहमे किन्नरों ने पुलिस से न्याय व झूठे मुकदमे से बचने की गुहार लगाई है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के बैठक 6 दिसंबर को होगी

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश इकाई जनपद बिजनौर की जिला स्तरीय बैठक 6 दिसंबर को स्योहारा में आयोजित की जाएगी। जिसमें नए सदस्यों को जोड़े जाने सहित अन्य मुद्दों पर विचार किया जाएगा।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश इकाई जनपद बिजनौर की जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक, तहसील इकाई धामपुर अध्यक्ष इंदर सिंह चौहान, उपाध्यक्ष व स्योहारा अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह भुईयार व मंत्री रियाजुलहक उर्फ प्रिंस की संयुक्त देखरेख में 6 दिसम्बर 2021 सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे मन्नत फार्म हाउस मुरादाबाद रोड स्योहारा में आयोजित होगी। जानकारी देते हुए धर्मेंद्र भुईयार ने बताया कि जिसमें एसोसिएशन हित में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। बैठक में सभी सम्मानित सदस्यों पदाधिकारियों की निर्धारित समय में उपस्थिति विशेष रूप से अनिवार्य है। अतः सभी सम्मानित साथी गण उपरोक्त महत्वपूर्ण बैठक में शत प्रतिशत प्रतिभाग करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष डा.भानु प्रकाश वर्मा होंगें। बैठक में नए सदस्यों को सदस्यता ग्रहण करने पर विचार किया जायेगा।।

गोल्ड मैडल जीतने पर मुक्केबाज कनिष्का को किया गया सम्मानित

सहारनपुर। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता जेवी जैन कॉलेज कॉलेज की मुक्केबाज कनिष्का द्वारा गोल्ड मैडल जीतने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जेवी जैन डिग्री कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में प्राचार्य डॉ बकुल बंसल द्वारा कनिष्का को सम्मानित किया गया।

डॉक्टर संदीप गुप्ता ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता जोकि दिनांक 1 और 2 दिसंबर को बागपत के सम्राट पृथ्वीराज चौहान कॉलेज में आयोजित हुई थी उक्त प्रतियोगिता में कॉलेज की छात्रा कनिष्ठा ने अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया और इनका चयन विश्वविद्यालय की बॉक्सिंग टीम के लिए हुआ है। इस अवसर पर बोलते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ मुकुल बंसल ने कहा कि यह कॉलेज के लिए बड़े हर्ष की बात है कि महिला महिला खिलाड़ी का बहुत समय बाद मुक्केबाजी में चयन हुआ है तथा उन्हें उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उनके प्रशिक्षक तथा पिता योगेश कुमार टीम मैनेजर नाजिया डॉ विनोद कुमार डॉक्टर लोकेश कुमार मिस प्राची आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का डॉक्टर संदीप गुप्ता ने किया।

सादे लिबास में कार से आए पुलिसकर्मी

युवक को रोका फिर उसे उठा ले गए, मच गया अपहरण का शोर

मुरादाबाद। जिले के पाकबड़ा में फिल्मी स्टाइल में अमरोहा पुलिस सैलून संचालक की बाइक रोककर उसे गाड़ी में उठाकर ले गई। सड़क पर हुए इस तमाशे को देखकर स्वजन ने अपहरण का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घंटेभर तक इस मामले की छानबीन करती रही। शाम को पुलिस को जानकारी मिली कि जिस युवक को उठाया गया है, वह अमरोहा देहात थाने का वांछित है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के भांडली गांव निवासी शब्बीर की हाशमपुर चौराहे पर परचून की है। बराबर में ही उनका छोटा बेटा फरीद सैलून चलाता है। शब्बीर ने बताया कि उनका बेटा फरीद खाना खाने के लिए घर जा रहा था। बाइक से जैसे ही राम रहीम पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, तभी पीछे से आई सफेद रंग की कार से तीन-चार युवक उतरे। उन्होंने पहले बेटे को रोककर मारपीट की। इसके बाद उसे कार में डालकर भाग गए। स्थानीय लोगों ने शोर मचाया। घटना की जानकारी होने पर पाकबड़ा थाने पहुंचकर बेटे का अपहरण किए जाने की सूचना दी। पुलिस ने तत्काल घटना का संज्ञान लेकर ग्रोथ सेंटर चौकी इंचाजज़ सतेंद्र शमाज़ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

रामपुर सांसद आजम खां के खिलाफआचार संहिता के दो मुकदमों में अब पांच जनवरी को होगी सुनवाई

मुरादाबाद। रामपुर सांसद आजम खां के खिलाफआचार संहिता के दो मुकदमों में अब पांच जनवरी को सुनवाई होगी। आचार संहिता के दोनों मुकदमे वषज़ 2019 के लोकसभा चुनाव के हैं। इनमें एक मुकदमा बिलासपुर कोतवाली में दजज़ हुआ था, जबकि दूसरा सिविल लाइंस कोतवाली में लिखा गया था। दोनों में सांसद पर चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण देने और दो वगोज़ में वैमनस्यता फैलाने का आरोप है। इन मामलों की सुनवाई एमपी-एमएलए कोटज़ में चल रही है। गुरुवार को सुनवाई होनी थी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता प्रताप सिंह मौयज़ ने बताया कि इस मामले में अगली तारीख पांच जनवरी तय की गई है। उधर, पूवज़ विधायक युसूफ अली के खिलाफ शहर कोतवाली में दजज़ आचार संहिता उल्लंघन के मामले में सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने इसमें अब तीन जनवरी नियत की है।

उनके खिलाफ वषज़ 2017 के विधानसभा चुनाव में शहर कोतवाली में रिपोटज़ दजज़ हुई थी, जिसमें अटरिया गांव के सरकारी स्कूल और बिजली के खंभों पर चुनाव प्रचार से संबंधित पोस्टर लगाने का आरोप था।

भाजपा ने बढ़ाया महिलाओं का कष्ट, कांग्रेस सरकार देगी राहतः रावत

रामनगर। नवजात शिशु मृत्यु दर पर चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपनी सरकार बनने पर महिलाओं को पोषित करने वाली योजनाओं को बढ़ावा दिए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रति एक हज़ार पर 32 शिशुओं की मौत उनके लिए कष्टकारी है। पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस चुनाव संचालन समिति के मुखिया हरीश रावत ने मालधन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए महिलाओं की तकलीफों का खाका खींचते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के कष्ट दुगुना कर दिया है। महंगाई के चलते महिलाएं अपनी रसोई में त्रस्त हैं तो जवान बेटे की बेरोजगारी उनकी रात की नींद उड़ाए हुए है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी व हरीश आर्य के संयुक्त संचालन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपने संबोधन में कांग्रेस की सरकार बनने पर मालधन को विकसित बनाने का वायदा करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल की तमाम योजनाओं को भाजपा सरकार ने बन्द कर दिया है। एक बार फिर से हमें विकास की यात्रा शून्य से शुरू करनी पड़ेगी।मालधन मे विकास की संभावनाएं हैं। उनकी सरकार ने मालधन के विकास को तेजी से मुख्यधारा तक लाने की कोशिश की थी। लेकिन सरकार के तीन साल के कार्यकाल का आधा हिस्सा केदारनाथ आपदा की वजह अस्त-व्यस्त हुए प्रदेश को पटरी पर लाने में ही निकल गया। इस बार कांग्रेस की सरकार आने पर यहां खेती के विकास के साथ यहां उद्योग को बढ़ावा देकर मालधन को मॉडल रूप में विकसित किया जाएगा।

रावत ने कहा कि आज भाजपा नेहरू, अम्बेडकर, गांधी पर हमला कर देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। लेकिन यदि स्वतंत्र भारत के इतिहास से इन्हें निकाल दिया जाएगा तो देश की आत्मा ही मर जाएगी। रावत ने कहा कि उनकी सरकार ने 18 प्रकार की पेंशन लागू की लेकिन भाजपा ने सब खत्म कर दी। महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार महिला स्वयं सहायता समूहों को सरकारी व गैरसरकारी सभी प्रकार की स्कूली ड्रेस बनाने का काम सौंपेगी। जिस डिग्री कॉलेज में लड़कियों की संख्या लड़को से अधिक होगी, उसे प्रोत्साहित किया जाएगा। सरकार बनने पर 200 रुपये प्रतिमाह कुकिंग गैस सब्सिडी व पहले साल 100 यूनिट तथा दूसरे साल से 200 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान हरीश आर्य ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता भी ग्रहण की। इससे पूर्व जनसभा संबोधन व चौपाल के साथ रात्रि विश्राम के लिए मालधन गांव पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री का हेलीपैड पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी व महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशा बिष्ट और पूर्व राज्यमंत्री पुष्कर दुर्गापाल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष गोपाल सिंह अधिकारी क्षेत्र पंचायत सदस्य धीरेन्द्र सिंह चौहान महावीर सिंह रावत पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुमित लोहनी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य किशोर चंद्र सभासद तनुज दुर्गापाल पूर्व अध्यक्ष युवा कांग्रेस संजय बिष्ट मनोज जोशी, इंदरलाल, जयप्रकाश, सरस्वती आज़ाद, पीताम्बर, अनिल कुमार, अलका पाल, राहुल काण्डपाल, मुन्ना सिंह, पूर्व प्रमुख गुरमुख सिंह, त्रिलोक अधिकारी, कैलाश चन्द्र, रामपाल यादव, बसंत राणा, जितेन्द्र सरस्वती, हिमांशु जोशी, मोहन प्रसाद आदि मौजूद रहे।

हापुड़ से सैकड़ों लोग शामिल होंगे मेरठ महासभा में: तेजपाल

संवाददाता

हापुड़। शुक्रवार को जिला कार्यालय समाजवादी पार्टी पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष तेजपाल प्रमुख के नेतृत्व में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा0 राजेन्द्र प्रसाद की जयन्ती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई इस अवसर पर तेजपाल प्रमुख ने डा0 राजेन्द्र प्रसाद को याद करते हुए कहा कि उनका जन्म आज ही के दिन सन् 1884 में बिहार के सीवान जिले के जीरादेई गाँव में हुआ था,हिन्दी भाषा के साथ-साथ राजेन्द्र को फारसी भाषा का भी ज्ञान था। छोटी आयु में ही विवाह होने पर भी उन्होने अपनी शिक्षा जारी रखी और कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा को प्रथम स्थान के साथ उत्तीर्ण किया। उनको स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा संवैधानिक पद का उन्होंने हमेशा सम्मान बनाये रखा उस समय की सरकार व कांग्रेस को संवैधानिक अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं करने दिय 12 वर्षों तक ट्रपति के पद पर आसीन रहने के बाद वर्ष 1962 में स्वयं ही अपने अवकाश की घोषणा की इन्ही शब्दों के साथ डा0 राजेन्द्र प्रसाद जी को भारत रत्न कहते हुए उनको प्रणाम किया। आयोजन के पश्चात एक बैठक की गई जिसमें 7 दिसम्बर को मेरठ के दबुतवा में होने वाले संयुक्त महा जनसभा कार्यक्रम जिसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी के आगमन पर जनपद हापुड से 500 बसे, 2500 छोटे वाहन व हजारों की संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता पूरे जोश व उत्साह के साथ शामिल होंगे इस पर समीक्षा कर अंतिम रूप दिया गया। इस दौरान असलम चौधरी विधायक धौलाना पुरूषोत्म वर्मा, संजय यादव, मलिका खान, बिलाल एडवोकेट, साल्कीन खान, आजाद अल्वी, अली मुर्तजा तथा अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

प्रकृति के जितने नजदीक जाएंगे उतने ही हमारे जीवन में खुशियां आएंगी

हमें सभी को एक प्रण लेना चाहिए कि हम सभी अपने प्रत्येक जन्मदिन पर कम से कम पांच फलों के या पीपल या नीम के पेड़ लगाकर प्रकृति को बढ़ाएंगे

प्रकृति को मां समझ कर हमें उसकी सेवा करनी चाहिए

पेड़ों को लगाना ही काफी नहीं है पेड़ों को लगाकर उनको अपने बच्चे की तरह पालना भी है

प्रकृति को मां समझ कर हमें उसकी सेवा करनी चाहिए

सतीश कु, स्वामी
संस्थापक
भारतीय संस्कृति संघ

बिना भेदभाव के सरकार कर रही है विकास कार्य: कैप्टन विकास गुप्ता

बागपत/संवाददाता। जनपद में एक कार्यक्रम आगमन पर आए दर्जा प्राप्त मंत्री कृषि अनुसंधान केन्द्र उत्तर प्रदेश कें अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के द्वारा स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास के नारे को लेकर बिना भेदभाव के प्रदेश सरकार विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बना रही है।

इस अवसर पर पंचायत प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रदीप बली, मंडल अध्यक्ष ओमबीर धामा, मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, युवा मोर्चा के जिला मंत्री हर्ष दीक्षित, अनुज त्यागी, सचिन गुर्जर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हॉलिडे पर अर्जुन-मलाइका

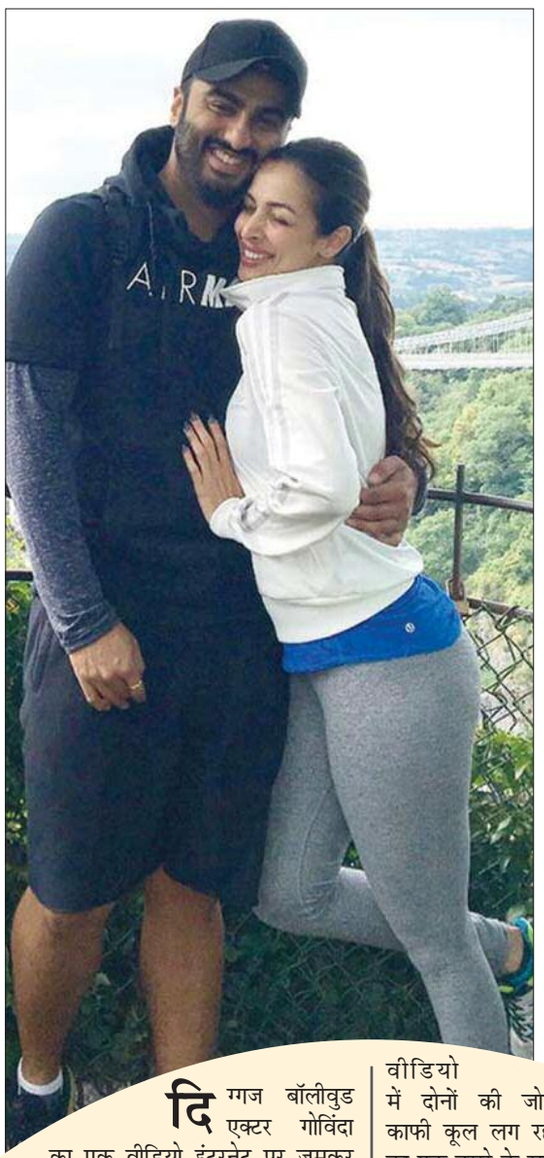

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा दोनों ही मालदीव में छुट्टियां मना रहे हैं। हालांकि दोनों अपनी अलग-अलग तस्वीरें शेयर कर रहे हैं, पर फैंस तो फैंस हैं उन्हें ये सब समझ आ ही जाता है। वैसे खुले आम अपनी मोहब्बत को कुबूल करने वाले अर्जुन और मलाइका को भला क्या जरूरत पड़ी अपने हॉलीडे को छुपाने की। अर्जुन और मलाइका दोनों ने ही अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी, रिसॉर्ट और सी बीच की अलग-अलग फोटोज शेयर कर रहे हैं। नहीं बताने के बावजूद इनकी फोटो स्टोरीज से फैन को पता चल गया कि दोनों साथ गए हैं। अर्जुन ने रिसॉर्ट में एक शेड के नीचे बैठे हुए अपनी ने एक फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि, 'जब हॉलीडे पर वो आपको फोन स्क्रॉल करते हुए कैच कर ले'। अर्जुन ने अपने रिसॉर्ट से एक मोनोक्रोम सेल्फी शेयर की और अपने फैंस से जगह का अनुमान लगाने को कहा। कई घंटे बाद, आखिरकार उन्होंने मालदीव के फरी द्वीप में पाटीना मालदीव होटल को लोकेशन के रूप में टैग किया। वहीं मलाइका अलग-अलग आउटफिट्स में अपनी चिलिंग की तस्वीरें शेयर कर अपने फैंस को अपडेट कर रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक प्रिंटेड व्हाइट टॉप में धूप में पोज देते हुए सनलाइट सेल्फी शेयर की। इसके तुरंत बाद, मलाइका ने जिम वियर में अपनी एक तस्वीर साझा की, जिससे पता चलता है कि उन्होंने अपने जीम वर्कआउट रूटीन से ब्रेक नहीं लिया।

जया-अमिताभ के बीच नोंक झोंक !

3 दिसंबर को कौन बनेगा करोड़पति ने अपने 1000 एपिसोड पूरे कर लिए। इस मौके पर शो के होस्ट अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता नंदा और नातिन नव्या नवेली नंदा हॉट सीट पर सवालों के जवाब देती नजर आई। शो का एक नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें श्वेता नंदा बता रहीं हैं कि जया बच्चन को अमिताभ पर जल्दी कोई भी रंग पसंद नहीं आता। जया बच्चन एक वीडियो कॉल के जरिए एपिसोड का हिस्सा बनी। वीडियो में, नव्या नवेली नंदा ने अमिताभ बच्चन से कहा, 'असल में मैं बोलने वाली थी की आप काफी अच्छे लगे हैं इस सूट में। घर में तो आपको गाउन में ही देखते हैं हम हमेशा। ये सुनकर अमिताभ बच्चन जोर से हंस पड़े। श्वेता ने तब खुलासा किया कि जब वो सभी घर पर केबीसी 13 देखते हैं, तो जया, अमिताभ के आउटफिट पर सबसे ज्यादा कमेंट करती हैं। नव्या ने आगे कहा, 'उन्हें अगर कोई कलर्स आप पर अच्छे नहीं लगते। तो वो सीधे बोल देती हैं कि अरे आज इतने अच्छे नहीं लगे।' अमिताभ ने तब जया से पूछा, 'जया ये क्या बोल रही है नव्या, कि बहुत से रंग जो आप कहती हैं कि अच्छे नहीं लगते?' जया ने जवाब दिया। एक तो पता नहीं मेहरून, ब्राउन पहनतें हैं। जब जया जिस सूट की बात कर रही थीं, उसे स्क्रीन पर दिखाया गया तो अमिताभ ने मुंह बना लिया। तब नव्या ने कहा कि उन्होंने भी इसी तरह का रंग पहना हुआ था। जया ने जवाब दिया, 'नाना का जो है वो कुछ अजीब सा मौवे और पता नहीं, अच्छा नहीं'।

'तड़प' के साथ अहान का डेब्यू

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी का इंजतार आखिरकार खत्म हुआ और शुक्रवार को तड़प सिनेमाघरों में पहुंच गयी। बहन अथिया शेट्टी के बॉयफ्रेंड क्रिकेटर केएल राहुल के अलावा कई सेलेब्रिटीज ने अहान के बॉलीवुड डेब्यू पर उन्हें बधाई दी और फिल्म इंडस्ट्री में उनका स्वागत किया। तड़प एक एक्शन-रोमांटिक फिल्म है, जो तेलुगु फिल्म आरएक्स 100 का आधिकारिक रीमेक है। फिल्म का निर्देशन मिलन लूथरिया ने किया है, जबकि निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म देश में 1600 से अधिक स्क्रींस पर रिलीज हुई है, वहीं ओवरसीज में 450 से स्क्रींस पर उतारी गयी है। तड़प में अहान के साथ फीमेल लीड में तारा सुतारिया हैं। अहान का बॉलीवुड डेब्यू काफी चर्चा में था। ट्रेलर आने के बाद इस फिल्म को लेकर ट्रेड सर्किट में भी काफी उम्मीदें जतायी थीं। अब फिल्म दर्शकों के बीच पहुंच गयी है। आखिरी फैसला उन्हें ही देना है, मगर अहान को बधाइयों का सिलसिला जारी है। क्रिकेटर केएल राहुल ने अहान के साथ अपनी एक फोटो शेयर करके लिखा- अहान, मेरे भाई अब पीछे मुड़कर नहीं देखना है। तुम पर गर्व है। आगे सिर्फ बड़ी चीजें करनी हैं। अभिषेक बच्चन ने 2000 में रिफ्यूजी से डेब्यू किया था। इस फिल्म में सुनील शेट्टी ने एक अहम भूमिका निभायी थी। अब अहान के डेब्यू पर अभिषेक ने लिखा- मूवीज में स्वागत है, अहान। तुम्हें एक आत्मविश्वासी और मेहनती इंसान के रूप में बड़े होते हुए देखना शानदार रहा।

चार फरवरी को रिलीज होगी 'शाबाश मिट्ठू'

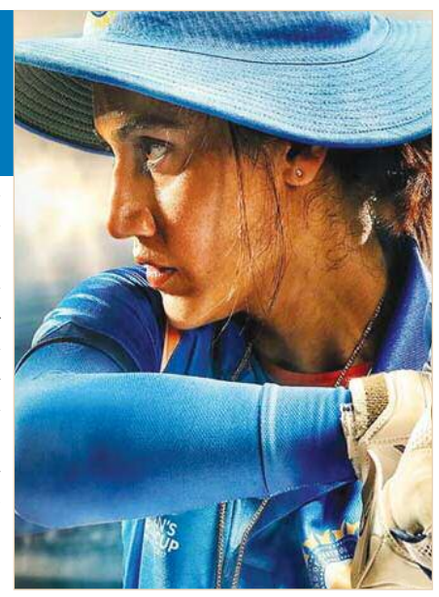

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शाबाश मिट्ठू' को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्ट्रेस इस फिल्म में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट शेयर करके हमें झलकियां देती रही हैं। हालांकि आज मिताली राज के जन्मदिन पर 'शबाश मिट्ठू' के निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करके उन्हें एक सरप्राइज दिया है। मेकर्स ने पोस्टर शेयर किया है, जिसमें तापसी क्रिकेटर के लुक में नजर आ रही हैं। 'शबाश मिट्ठू' 4 फरवरी 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'शाबाश मिट्ठू' भारत की सबसे सफल महिला क्रिकेटर की कहानी है।

रोमांस करते दिखे गोविंदा

दिग्गज बॉलीवुड एक्टर गोविंदा का एक वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में गोविंदा खुद से आधी उम्र की एक्ट्रेस के साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो को खुद गोविंदा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। दरअसल ये उनके अपकमिंग म्यूजिक वीडियो का टीजर है जो सुर्खियां बटोर रहा है। इसे शेयर करते हुए गोविंदा ने लिखा, 'हैलो दोस्तों। मेरा दूसरा गाना 'चश्मा चढ़ा के' छह दिसंबर को रिलीज होने जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि आप लोगों को पसंद आएगा।'

वीडियो में दोनों की जोड़ी काफी कूल लग रही है। दोनों का एक दूसरे के साथ फ्लर्ट करने और रोमांटिक होने वाला अंदाज फैंस को पसंद आ रहा है। वीडियो की शुरुआत में गोविंदा को एक आलीशान गाड़ी से उतरते हुए दिखाया गया है और इसके बाद वह शनाया से मिलते हैं। शनाया और गोविंदा को यॉट के ऊपर और अन्य खूबसूरत लोकेशन्स पर डांस करते दिखाया गया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो गोविंदा इससे पहले फिल्म 'रंगीला राजा' में नजर आए थे। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। इस उम्र में रोमांटिक म्यूजिक वीडियो करने को लेकर कुछ लोगों ने गोविंदा पर तंज कसा है और एक शख्स ने उन्हें 'अंकल' कह डाला. इस पर हीरो नंबर 1 को डिफेंड करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'भाई शाहरुख, सलमान और अक्षय कुमार भी अपनी फिल्मों में ये सब कर रहे हैं, वो जवान हैं क्या?' कॉमेंट बॉक्स में दोनों फैंस एक दूसरे से भिड़ते दिख रहे हैं।

वीडियो में गोविंदा के साथ नजर आ रही एक्ट्रेस का नाम शनाया कौर है। इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक शनाया की उम्र महज 24 साल है और गोविंदा अब 57 साल के हो चुके हैं। हालांकि

शादी के लिए सारा की शर्त

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान अपनी मां अमृता सिंह को कितना प्यार करती हैं ये बात उनका हर फैन जानता है। सारा कई मौकों पर ये कह चुकी हैं उनकी मां ही उनकी बेस्ट फ्रेंड हैं वो उनके बिना नहीं रह सकतीं। वहीं सारा का कहना है कि वो शादी के बाद भी अमृता सिंह के साथ ही रहेंगी अगर किसी को उनसे शादी करनी है तो उसे भी उनके और अमृता के साथ ही उनके घर में रहना होगा। सारा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अतरंगी रे' का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में ईटाइम्स से बातचीत में सारा ने बताया, 'मैं चूड़ियों को कपड़ों से मैच किए बिना इंटरव्यू के लिए ही नहीं आ सकती और इसमें मैं अपनी मां की मदद लेती हूं। जब तक मेरी मां मैचिंग नहीं बनातीं मैं आ ही नहीं सकती। मेरी औकात नहीं है मम्मी से दूर भागने की। कहीं भी भाग जाओ घर तो वहीं जाना है रोज'। आगे सारा ने कहा, 'मैं शादी भी उसी से करूंगी जो यहां आकर मेरे और मम्मी के साथ रहेगा। मैं उन्हें कभी नहीं छोड़ूंगा। मेरी मां मेरी तीसरी आंख हैं, इसलिए मैं उनसे कभी दूर नहीं भागूंगी'।

सामंथा रूथ प्रभु के बोल्ड अवतार ने चौंकाया सभी को

सामंथा रूथ प्रभु अपने एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं. लेकिन कुछ समय से वो अपने निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में थी. हालांकि इस समय उनके चर्चा में आने की वजह है उनका ELLE मैगजीन के लिए किया गया डिजिटल कवर जो सुर्खियों में बना हुआ है. एक्ट्रेस ने द फैमिली मैन सीजन 2 के साथ एक शानदार हिंदी फिल्मों में शुरुआत की. समांथा के इस ग्लैमरस अवतार को देख फैंस खुशी से झूम उठे हैं. फैंस को उनका हाल ही में किया गया फोटोशूट और वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है. आपको बतादें, सामंथा साउथ की पॉपुलर अदाकारा में से एक है. इनका नाम आते ही फैंस का दिल थम जाता हैं. एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों के जरिए सभी के दिल में एक अहम जगह बनाई है. लोग उनकी फिल्मों को खूब पसंद करते हैं. वहीं फैंस उनके संस्कारी लुक के साथ- साथ उनके बोल्ड लुक को भी पसंद करते हैं. उनका लुक लगातार सुर्खियों की वजह बना हुआ है. एक्ट्रेस की तस्वीरें इस समय काफी ज्यादा वायरल हो रही हैं. एक्ट्रेस ने ये तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पर साझा की हैं. जिसे देख फैंस उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं. उनकी तस्वीरों से बोल्डनेस टपक रही है. बता दें, अदाकारा ने अपने हाल ही के पोस्ट से सभी को चौका दिया है. वो अपनी पोस्ट में काफी ज्यादा बोल्ड लग रही है. इन तस्वीरों को देखने के बाद कोई भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाएगा. एक्ट्रेस की तस्वीरों से बोल्डनेस साफ झलक रहीं हैं. अपनी हॉट तस्वीर से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर केंद्रित कर लिया है. फैंस उनकी पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं. आज वह उस मुकाम पर हैं जहां पहुंचना आसान नहीं है. एक बार फिर से फैंस के लिए चर्चा का विषय बन गई हैं. अपनी बीच की हॉट तस्वीरों से उन्होंने सोशलमीडिया का तापमान बढ़ा दिया है.

कटरीना कैफ बनाएंगी बॉलीवुड से दूरी, शादी के बाद नहीं करेंगी काम!

बॉलीवुड की बार्बी डॉल कही जाने वाली कटरीना कैफ इन दिनों विक्की कौशल संग शादी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इसी बीच अब कटरीना की एक और बात उन्हें सुर्ख़ियों में ले आई है. कटरीना ने शादी के बाद काम न करने की बात कही है.

बॉलीवुड की बार्बी डॉल कही जाने वाली कटरीना कैफ इन दिनों विक्की कौशल संग शादी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. खबरों की मानें तो 9 दिसंबर को विक्की और कटरीना सात फेरे लेने वाले हैं. हर तरफ उनकी शादी से जुड़ी खबरें सामने आ रही है लेकिन होने वाले दूल्हा दुल्हन ने अभी तक इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है. यहां तक कि दोनों ने अपनी अफेयर की खबरों पर भी अभी तक कोई रिएक्शन नहीं दिया लेकिन कहा जा रहा है कि दोनों पिछले दो साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं.

इसी बीच कटरीना का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने शादी को लेकर अपने थॉट्स शेयर किए थे. दरअसल, कटरीना ने कहा था कि अगर उन्हें कभी ऐसा लगा कि शादी को महत्व देना ज्यादा जरूरी है तो वह फिल्में करना छोड़ देंगी. हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि यह उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आएगा कि उनका पार्टनर या उनका परिवार उन्हें काम करने से रोके. वह ऐसा तभी करेंगी जब उन्हें दिल से ऐसा महसूस होगा. कटरीना का कहना था कि इसमें लड़के या लड़की वाली बात नहीं है बस यह एक निजी एहसास है.

इसके अलावा, एक और इंटरव्यू के दौरान कटरीना ने कहा था कि वह शादी में बहुत ज्यादा यकीन रखती हैं. उन्हें परिवार और घर बहुत पसंद है. उनका कहना था कि अगर प्यार उनके जीवन में आया तो मतलब यह किस्मत में लिखा है. इंटरव्यू में कटरीना से ये पूछे जाने पर कि उनके साथ के कई हीरो हीरोइन शादी करके घर बसा चुके हैं और उनकी तरफ से अभी तक ऐसी कोई इच्छा सामने नहीं आई है. कटरीना ने कहा था कि, 'मुझे उन लोगों से जलन नहीं होती है जिनका घर बस गया. ऐसा सोचना ही बेकार है'. बता दें कि कटरीना ने यह बातें उस वक्त कहीं थीं जब रणबीर कपूर संग उनके अफेयर की चर्चा थी. ऐसे में कहा जा रहा था कि रणबीर से शादी को लेकर कटरीना ऐसा सोचती हैं. हालांकि कई साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद उनका ब्रेकअप हो गया था.

शादी की तैयारियों की बात करें तो विक्की कौशल और कटरीना कैफ की शादी को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विक्की कौशल और कटरीना मुंबई में एक ग्रेंड रिसेप्शन देने की तैयारी कर रहे हैं. यह ग्रैंड रिसेप्शन कटरीना कैफ और विक्की कौशल के इंडस्ट्रियलिस्ट फ्रेंड्स और कलीग्स के लिए किया जाएगा.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो लोग राजस्थान में शादी अटेंड नहीं कर पाएंगे उनके लिए मुंबई में इस रिसेप्शन को ऑर्गेनाइज किया जाएगा. कोविड -19 के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को देखते हुए विक्की कौशल और कटरीना अपनी गेस्ट लिस्ट में पहले से ही कटौती कर रहे हैं. जहां इस जोड़े के पास फिल्म बिरादरी के सह-कलाकारों, निर्देशकों और निर्माताओं के नामों की लंबी सूची है, वहीं कटरीना की तरफ से कुछ मेहमान विदेशों से आने वाले हैं.

रोजाना कच्ची प्याज खाने के फायदे

- **डायबिटीज :** प्याज को डायबिटीज रोगियों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है.
- **सूजन :** शरीर की सूजन को कम करने में मददगार है प्याज. असल में प्याज़ में कई एंटी-ऑक्सिडेंट पाए जाते हैं जो, शरीर में होने वाली सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं.
- **आयरन :** अगर आपको आयरन की कमी है तो आप अपनी डाइट में प्याज को शामिल कर सकते हैं. प्याज को आयरन, फोलेट और पोटेशियम के गुणों से भरपूर माना जाता है. प्याज के सेवन से शरीर को हेल्दी और आयरन की कमी को दूर किया जा सकता है.
- **इंफेक्शन :** प्याज इंफेक्शन से बचाने में मददगार मानी जाती है. प्याज में एंटी-एलर्जिक, एंटी-ऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह के इंफेक्शन से बचाने में मदद कर सकते हैं.
- **पाचन :** अगर आपको पाचन संबंधी समस्या है तो आपके लिए प्याज का सेवन फायदेमंद हो सकता है. पाचन तंत्र को मजबूत बनाने और पेट हो हेल्दी रखने के लिए आप प्याज को सलाद के रूप में खा सकते हैं.
- **इम्यूनिटी :** इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए आप प्याज के सलाद का सेवन कर सकते हैं. प्याज़ में मौजूद फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, पोटैशियम और विटमिन-सी जैसे गुण पाए जाते हैं जो, इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं.
- **हड्डियों :** प्याज के सेवन से हड्डियों को मजबूत बनाया जा सकता है. प्याज में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने का काम कर सकते हैं.

शादी की हर रस्म के लिए चुनें अलग-अलग ज्वेलरीज

शादी की हर रस्म पर अलग-अलग गहने पहनना चाहती हैं तो हम आपके इस काम को यहां आसान कर रहे हैं, ताकि आप इससे मिलते-जुलते गहनों का चुनाव कर हर रस्म पर ख़ूबसूरत नज़र आएं और ढेरों तारीफ़ पाएं.

संगीत

इसके लिए गहनों का चुनाव आपकी ड्रेस को देखते हुए कीजिए. यदि पारंपरिक परिधान पहन रही हैं तो सोने या हीरे की ज्वेलरी और यदि कुर्ता-पलाज़ो जैसी ड्रेस पहन रही हैं तो पारंपरिक ज्वेलरी जंचेगी.

मेहंदी

इस रस्म के लिए पर्ल और डायमंड का नेकपीस बेहतरीन रहेगा. हाथ-पैरों में मेहंदी लगाने के बाद आप इन गहनों को पहने जगमगाती हुई नज़र आएंगी.

हल्दी

हल्दी की रस्म पर आप सादी, लेकिन स्टाइलिश ज्वेलरी का चयन करें. मीडियम साइज़ का मोतियों या रत्नों वाला चोकर या फिर सोने का रत्नजड़ित चोकर अच्छा रहेगा.

शादी

शादी की ज्वेलरी सबसे सुंदर और भारी होनी ही चाहिए और इसका कारण तो ज़ाहिर ही है! आप एक या एक से अधिक नेकपीसेज़ का चुनाव भी कर सकती हैं. यदि मंगलसूत्र लंबा हो तो नेकपीस भरा हुआ चोकर भी हो सकता है.

रिसेप्शन

रिसेप्शन के लिए जड़ाऊ, मीनाकारी या कुंदन की ज्वेलरीज़ चुनें. ये आपको बाक़ी सभी रस्मों से अलग दिखाएंगी.

कोरियन वेट लॉस डाइट

कोरियन वेट लॉस डायट को के-पॉप डाइट के नाम से भी पहचाना जाता है। यह एक होल- फूड बेस्ड डाइट होती है। इस डाइट में प्रोसैस्ड फूड और शुगरी फूड को कम खाने की सलाह दी जाती है। यह डाइट ना सिर्फ आपका वजन कम करती है, बल्कि एक्सरसाइज और अच्छी डाइट की मदद से व्यक्ति लंबे समय के लिए अपना वजन कंट्रोल करके रख सकता है। खास बात यह है कि इस डाइट को फॉलो करके त्वचा अंदरूनी रूप से भी खूबसूरत और सेहतमंद बनती है।

डाइट में शुगर की मात्रा कम से कम करने की हिदायत के साथ सोडे की जगह पानी और कुकी, स्वीट, आइसक्रीम और बेक्ड फूड की जगह फ्रेश फ्रूट खाने की सलाह दी जाती है।

कोरियन वेट लॉस डाइट के फायदे

- हेल्थ बनाएं बेहतर
- कोरियन वेट लॉस डाइट में ज्यादा से ज्यादा सब्जियां और फल खाने की सलाह दी जाती है। यह दोनों ही चीजें व्यक्ति की सेहत बनाएं रखने के साथ क्रॉनिक कंडीशन जैसे टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट प्रॉब्लम का रिस्क भी कम करती है।

हेल्दी स्किन

कोरियन वेट लॉस डाइट त्वचा पर आने वाले एक्ने की समस्या को कम करती हैं। इस डाइट में डेयरी प्रोडक्ट का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिसकी वजह से एक्ने की समस्या कम होती है।

न्यूट्रिएंट्स से भरपूर

इस डाइट में ग्लूटेन फ्री वीगन और वेजीटेरियन खाद्य पदार्थों का समावेश होता है। यह सारी चीजें न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होती हैं, जिसकी वजह से यह लंबे समय तक आपके शरीर को फायदा पहुंचाती हैं।

कोरियन वेट लॉस डाइट के होते हैं ये रूल्स

- इस डाइट को फॉलो करते समय आपको प्रोसेस फूड से दूरी बनाकर होल फूड खाना होता है।
- इस मील में आपको गेहूं, डेयरी प्रोडक्ट, रिफाइंड शुगर और फैट युक्त भोजन से दूरी बनानी होती है।
- इस डाइट में अलग-अलग तरह की सब्जियां, चावल, फिश, सीफूड इत्यादि को शामिल किया जाता है।
- इस डाइट में भले ही प्रोटीन की मात्रा पर बात नहीं होती लेकिन कैलोरी लिमिट व्यक्ति को स्ट्रिक्टली फॉलो करना होता है। कोरियन रेसिपी में सूप और सब्जियों का अधिक इस्तेमाल करके आप डाइट में कैलोरी की मात्रा कम रखते हुए अपनी भूख मिटा सकते हैं।
- के-पॉप वर्कआउट में व्यक्ति को नियमित रूप से एक्सरसाइज करने की जरूरत होती है, यह डाइट के साथ बेहतर काम करती है।
- कोरियन वेट लॉस डायट में आपको लिमिटेड अमाउंट में ऑयली फूड खाने की हिदायत दी जाती है।
- इ स

पीले रंग के फल और सब्जियों को करें डाइट में शामिल

सर्दियों के मौसम में ऐसे बहुत से मौसमी फल और सब्जियां आती हैं, जिन्हें हम डाइट में शामिल कर खुद को हेल्दी रख सकते हैं. दरअसल फल और सब्जियों को न्यूट्रिएंट का खजाना कहा जाता है. सर्दियों में इन पीले रंग के फल और सब्जियों को डाइट में शामिल कर खुद को रख सकते हैं हेल्दीसर्दियों के मौसम में ऐसे बहुत से मौसमी फल और सब्जियां आती हैं, जिन्हें हम डाइट में शामिल कर खुद को हेल्दी रख सकते हैं. दरअसल फल और सब्जियों को न्यूट्रिएंट का खजाना कहा जाता है.

पाइनएप्पल : पाइनएप्पल एक पीले रंग का फल है जिसमें पोटेशियम और दूसरे कई जरूरी एंजाइम्स पाए जाते हैं. पाइनएप्पल को डाइट में शामिल कर इम्यूनिटी को मजबूत, शरीर की सूजन को कम कर सकते हैं. पाइनएप्पल एक पीले रंग का फल है जिसमें पोटेशियम और दूसरे कई जरूरी एंजाइम्स पाए जाते हैं.

नींबू : नींबू को सेहत के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है. नींबू में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है. इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण और साइट्रिक एसिड होता है. इसे त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं. नींबू के सेवन से इम्यूनिटी को मजबूत बनाया जा सकता है.

मक्का : सर्दियों के मौसम में पीले रंग के स्वादिष्ट कॉर्न भला किसे नहीं पसंद. लेकिन कॉर्न सिर्फ स्वाद में ही लाजबाव नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं. कॉर्न में विटामिन बी, फोलिक एसिड और विटामिन बी 5 पाया जाता है, जो शरीर को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

केला : केला एक ऐसा फल है जिसमें विटामिन ए, बी, सी, ई, जिंक, पोटेशियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है. इसको डाइट में शामिल कर एलर्जी से बचा जा सकता है.

पीली शिमला मिर्च : शिमला मिर्च कई कलर में आती हैं लेकिन आज हम पीले रंग की शिमला मिर्च के फायदे बता रहे हैं. पीले रंग की शिमला मिर्च में भरपूर एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और खनिज पाए जाते हैं, जो शरीर को हेल्दी रखने में मदद कर सकती है.

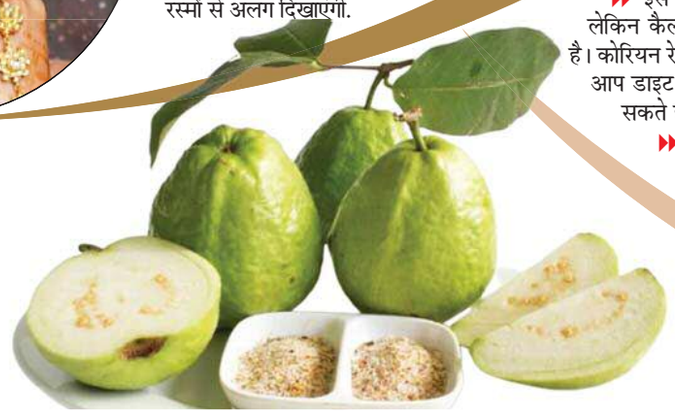

सर्दियों में अमरूद खाने के अद्भुत लाभ

अमरूद का खट्टा मीठा स्वाद हर किसी को पसंद होता है. अमरूद को अंग्रेजी में कहा जाता है. अमरूद को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है.

इम्यूनिटी : मौसम में बदलाव हो रहा है ऐसे बदलते मौसम में हमारी इम्यूनिटी काफी कमजोर हो जाती है. इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए आप अपनी डाइट में अमरूद को शामिल कर सकते हैं.

पाचन : अमरूद में दूसरे फलों की तुलना में सबसे अधिक फाइबर पाया जाता है, जो कब्ज की समस्या से बचाने में मदद कर सकता है. अमरूद के बीज गैस, और पाचन की समस्या को दूर करने में मददगार हो सकते हैं.

दिल : दिल की सेहत के लिए अमरूद को फायदेमंद माना जाता है. अमरूद में एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो दिल को दुरुस्त रखने में मदद कर सकते हैं.

डायबिटीज : अमरूद में मौजूद फाइबर कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. अमरूद में नेचुरल शुगर पाया जाता है।

स्किन : अमरूद को स्किन के लिए फायदेमंद माना जाता है. अमरूद में विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्किन को हेल्दी रखने में मददगार हो सकते हैं.

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए ट्राई करें ये जूसेज

नींबू पानी/नींबू का जूस : रोजाना एक गिलास गर्म नींबू पानी आपके मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त करने और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में चमत्कारिक रूप से काम करता है. सिर्फ सुबह ही नहीं, बल्कि COVID से लड़ने के लिए आप दिन भर में एक ग्लास ठंडा नींबू पानी भी पी सकते हैं. नींबू के साथ, आप अपने नींबू पानी में ताजा अनानास और अदरक भी मिला सकते हैं. इसके अलावा अनानास, पुदीना के पत्ते, पानी, कसा हुआ अदरक और आइस-क्यूब्स को जोड़ने से आपके पेय के स्वाद को बढ़ाने में ये बेहतरीन काम कर सकते हैं.

एलो वेरा जूस : एलो वेरा कई सारे लाभों के साथ आता है और आप इम्यूनिटी बढ़ाने और COVID-19 से लड़ने में मदद करने के अलावा, एलो वेरा का जूस फ्लॉलेस स्किन, बालों की बेहतर गुणवत्ता और अधिक कई अन्य प्राकृतिक लाभ प्रदान कर सकते हैं. इसलिए, सुबह-सुबह एक ग्लास एलो वेरा जूस पीने से शरीर को संक्रमण और बीमारियों से बचाने में मदद मिल सकती है.

तरबूज का जूस : तरबूज गर्मियों का फल है और इसका स्वाद इसके जूस के साथ आता है. तो, अपनी इम्यूनिटी को बढ़ावा देने के लिए हेल्दी ड्रिंक वाले इस स्वादिष्ट जूस के लिए तैयार हो जाएं. चीजों को और भी दिलचस्प बनाने के लिए आपको बस केले, पके आम और डेल मोंटे क्रैनबेरी को इसमें मिलाना होगा और नाश्ते की स्मूदी के रूप में इसका लुत्फ आप उठा सकते हैं.

खाली पेट शहद-लहसुन खाने के फायदे

शहद और लहसुन अपने एंटी-बायोटिक और एंटी-बैक्टीरियल गुणों की वजह से जाने जाते हैं. आयुर्वेद में तो लहसुन को औषधि माना गया है। लहसुन में एलिसिन और फाइबर की मौजूदगी के कारण कई तरह के पोषक तत्व प्रदान करता है। इसमें एंटिफंगल और एंटीऑक्सिडेंट जैसे गुण भी होते हैं।

डायरिया से बचाने में सहायक

अगर आपको बार-बार डायरिया की समस्या हो रही है, तो इस पेस्ट का सेवन काफी फायदेमंद साबित हो सकता हैं। इसका सेवन करने से आपका पाचन तंत्र ठीक ढंग से काम करता हैं। जिसके कारण आपको पेट संबंधी किसी भी प्रकार का संक्रमण नहीं होता हैं।

गले की खराश करता है दूर

इस मिश्रण का सेवन करने से आपको कई फायदे होते हैं जिनमें गले की खराश भी शामिल है. इसका कार यह है कि इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते है। जिसके कारण इसका सेवन करने से आपके गले में खराश और सूजन से आपको आराम मिल सकता है।

दिल को स्वस्थ रखने में सहायक

लहसुन और शहद के पेस्ट का सेवन करना आपके दिल के लिए काफी फायदेमंद हैं। इसका सेवन करने से आपके दिल की धमनियों में जमा फैट बाहर निकल जाता है। जिसके कारण ब्लड सर्कुलेशन ठीक ढंग से होने लगता हैं। जो दिल के लिए फायदेमंद हैं।

कोलेस्ट्रॉल लेवल होता है कम

इन दोनों चीजों को मिलाकर खाने से कोलेस्ट्रॉल कम होता है और शरीर का ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है। अगर आपका इसका सेवन करते है तो आपका इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होगा। जिसके कारण आपको कभी कोई बीमारी नहीं हो पाएगी।

शरीर की आंतरिक सफाई

यह एक प्राकृतिक डिटॉक्स है। इसको खाने से शरीर की अंदर से सफाई हो जाती है। जिसके कारण आप सेहतमंद रहते है। इनमें मौजूद फस्फोरस से दांत मजबूत रहते है। यह दांतों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है।लहसुन और शहद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कैंसर के मरीज के लिए बेहतर है। इससे कैंसर का खतरा कम होता है।

यौन क्षमता बढ़ाने में सहायक

सुबह खाली पेट लहसुन की कली को शहद के साथ खाने से यौन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलती है।

नसों की गंदगी करता है साफ

लहसुन और शहद के पेस्ट का सेवन करना आपके दिल के लिए काफी फायदेमंद हैं। इसका सेवन करने से आपके दिल की धमनियों में जमा फैट बाहर निकल जाता है। जिसके कारण ब्लड सर्कुलेशन ठीक ढंग से होने लगता है, जो दिल के लिए फायदेमंद हैं।

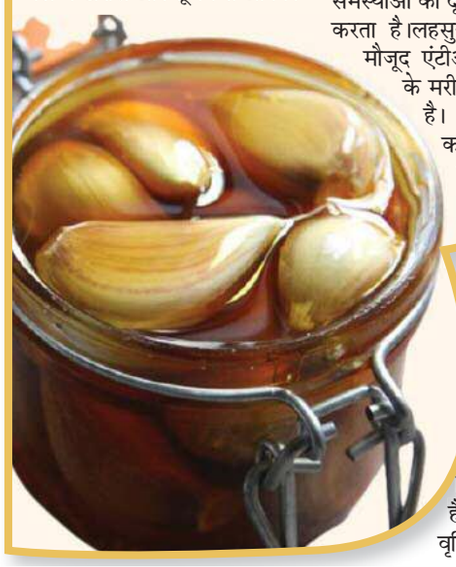

कुंडली में लग जाए सूर्य ग्रहण तो मचा देता है तबाही

जब भी ग्रहण की बात होती है तो हम इसे सिर्फ एक आकाशीय घटना से जोड़कर देखते हैं. लेकिन वास्तव में ग्रहण सिर्फ आकाश में ही नहीं लगता, आपकी कुंडली में भी लगता है. अगर एक बार आपकी कुंडली में ग्रहण लग जाए तो जीवन में तबाही मचाकर रख देता है. यानी इतनी समस्याएं पैदा करता है कि आप उनसे बुरी तरह परेशान हो जाते हैं.

आज हम बात करेंगे सूर्य ग्रहण की. कुंडली में सूर्य ग्रहण भी राहु-केतु की बुरी दृष्टि की वजह से ही लगता है. सूर्य के साथ राहु का होना या राहु का लग्न में बैठना सूर्य ग्रहण का कारण बनता है. जब राहु सूर्य को पीड़ित करता है तो कुंडली में पितृ दोष भी लगता है. ऐसे में व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक सेहत तो खराब होती ही है, साथ ही आर्थिक रूप से भी उसे काफी परेशानियां झेलनी पड़ जाती हैं. यदि समय रहते व्यक्ति कुछ ज्योतिषीय उपाय कर ले तो इस कारण मिलने वाली तमाम समस्याओं से मुक्ति पा सकता है.

कुंडली में सूर्य ग्रहण लगने पर सामने आती ये समस्याएं

- कुंडली में सूर्यग्रहण होने पर व्यक्ति की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं. उन्हें हड्डी से जुड़ी तमाम परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं. साथ ही इस दौरान गिरने से या दुर्घटनावश हड्डी टूट भी सकती है.
- इसके अलावा कुंडली में सूर्य ग्रहण के चलते पिता के साथ मतभेद बने रहते हैं. साथ ही पिता की सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है.
- जीवन में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहती है. व्यक्ति चाहकर भी सुकून से सामान्य जीवन नहीं जी पाता.
- व्यक्ति के मान-सम्मान और आत्मविश्वास में कमी आती है. क्रोध बढ़ता है और सफलता आसानी से नहीं मिलती. व्यर्थ के दोष और दंड झेलने पड़ते हैं.
- घर में पुत्र, मामा और महिलाओं के साथ विवाद चलते रहते हैं. शादी में तमाम रुकावटें आती हैं और संतान के कारण तमाम दुख सहने पड़ते हैं.

ये उपाय हो सकते हैं मददगार

- रोजाना सुबह जल्दी उठकर सूर्य को तांबे के लोटे से जल दें. जल में रोली, अक्षत और गुड़ डाल लें. साथ ही रोजाना आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें.
- गेहूं, गुड़ व तांबे का दान करें, लेकिन गुड़ का सेवन नहीं करना चाहिए.
- पीपल के पेड़ में नियमित रूप से जल दें और उसकी सेवा करें. अगर संभव हो तो एक पीपल का पौधा अपने हाथों से लगाकर उसकी सेवा करें.
- छह नारियल लेकर सिर के ऊपर से वारकर बहते जल में प्रवाहित करना चाहिए.

साल का आखिरी सूर्य ग्रहण आज | जानिए राशियों पर पड़ने वाला प्रभाव

2021 का आखिरी सूर्य ग्रहण पड़ने जा रहा है। यह सूर्य ग्रहण कल शनि अमावस्या वाले दिनलगेगा। कल साल के आखिरी महीने की 04 तारीख है जब यहसूर्य ग्रहण है।सूर्य ग्रहण की घटना खगोलशास्त्र और ज्योतिषशास्त्र में विशेष महत्व होता है। धार्मिक और ज्योतिष के नजरिए से ग्रहण को शुभ नहीं माना जाता है। यह सूर्यग्रहण अहगन माह की अमावस्या तिथि को लगने जा रहा है। ज्योतिष नजरिए से यह सूर्य ग्रहण वृश्चिक राशि में लगेगा। यह सूर्य ग्रहण आंशिक होगा जो कि दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया और अंटार्टिका में दिखाई देगा। भारत में यह सूर्यग्रहण दिखाई नहीं देगा। जिस कारण से भारत में इसका सूतक काल नहीं रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब भी सूर्य या चंद्रग्रहण लगता है तब इसका प्रभाव सभी जातकों के ऊपर जरूर होता है। इसका प्रभाव शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ऐसे में 04 दिसंबर को लगने वाले सूर्य ग्रहण का कुछ राशियों पर प्रभाव जरूर पड़ेगा।

वृष राशि- आपके लिए 04 दिसंबर 2021 को लगने वाला सूर्यग्रहण शुभ रहेगा। करियर में आपको ऊंची पदवी हासिल होगी।

मिथुन राशि- साल 2021 का आखिरी सूर्यग्रहण आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। यह आपके जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आने वाला है।

कन्या राशि- आपके द्वारा लिए गए फैसले सही साबित होंगे। आर्थिक संपन्नता मिलेगी। कार्यों में सफलता हासिल होगी। नौकरी में प्रमोशन के योग हैं।

धनु राशि- इस राशि के जातकों को तरक्की के साथ अपनों से बहुत ज्यादा मान-सम्मान और यश की प्राप्ति होगी।

मीन राशि- 04 दिसंबर 2021 को लगने वाला सूर्य ग्रहण मीन राशि के लोगों के परिवार में कई तरह की खुशियां लेकर आ रहा है। आर्थिक उन्नति के प्रबल संकेत हैं।

ग्रहण में सूतक काल

ग्रहण में सूतक का विशेष महत्व होता है। सूतक को शुभ नहीं माना जाता है। चूंकि यह ग्रहण भारत में नहीं लगेगा इसलिए इसका सूतक मान्य नहीं होगा। ग्रहण लगने के कुछ घंटे पहले ही सूतक काल प्रभावी हो जाता है। सूर्यग्रहण पर सूतक काल ग्रहण के लगने से करीब 12 घंटे पहले लग जाता है। वहीं चंद्रग्रहण पर सूतककाल 9 घंटे पहले लगता है। सूतक काल में किसी भी तरह का शुभ कार्य नहीं किया जाता है।

सूर्य ग्रहण का समय

भारतीय समय के अनुसार सूर्य ग्रहण सुबह 11 बजकर 05 मिनट से लेकर दोपहर 03 बजकर 07 मिनट तक रहेगा।

आज की रेसिपी

पाइनएप्पल चटनी

सामग्री :

पचहड़ी के लिए:

- 1 कप नारियल
- 2 कप पका अनानास
- 2 हरी मिर्च
- 2 इंच का टुकड़ा अदरक
- स्वादानुसार नमक
- 1/2 कप पानी
- 2 सूखी लाल मिर्च
- 1 टी स्पून सरसों के बीज
- 1 कप दही

तड़के के लिए:

- 1 टेबल स्पून तेल
- 1/2 टी स्पून सरसों के दाने
- 2 साबुत लाल मिर्च
- एक गुच्छा कढ़ीपत्ता

विधि :

पचड़ी के लिए:

- अनानास को हरी मिर्च, अदरक, नमक और 1/2 कप पानी के साथ पकाएं, जब तक अनानास नरम और बनावट में मुलायम न हो जाए. इस अवस्था में अदरक को बाहर निकालें.
- नारियल और लाल मिर्च को पीसकर पेस्ट बना लें फिर क्रश सरसों के बीज जोड़ें. इन्हें पके अनानास के साथ मिलाएं. इसे उबलने दें, फिर आंच से उतार लें.
- दही को अच्छी तरह से फेंट लें फिर इसे अच्छी तरह से मिला लें.

तड़के के लिए:

- एक पैन में तेल गरम करें और साबुत सरसों के दाने डालें और चटकने दें. लाल मिर्च और कढ़ी पत्ता डालें. पके हुए अनानास के ऊपर इस तड़के को डालें. अच्छी तरह से मिलाएं.
- अप्पम और स्टू के साथ सर्व करें.

श्रीलंका ने वेस्ट इंडीज को 2-0 से किया क्लीन स्वीप

गाले

स्पिन गेंदबाजों रमेश मेंडिस (6/70, 5/66) और लसित एम्बुलदेनिया (2/94, 5/35) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने यहां दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन शुक्रवार को वेस्ट इंडीज को 164 रन से हरा कर दो मैचों की सीरीज को 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। मैच के पांचवें और आखिरी दिन जीत के लिए 297 रन का पीछा करने उतरी मेहमान टीम वेस्ट इंडीज 56.1 ओवर में 132 रन पर ऑलआउट हो गई।

श्रीलंका ने 164 रन से बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-0 से अपने नाम की। उसकी इस जीत में ऑफ ब्रेक स्पिन गेंदबाज रमेश मेंडिस और लेफ्ट आर्म स्पिनर लसित एम्बुलदेनिया की भूमिका सबसे अहम रही। रमेश और एम्बुलदेनिया ने दूसरी पारी में पांच-पांच विकेट लेकर वेस्ट इंडीज को 132 रन पर ऑलआउट किया और टीम को जीत दिलाई। रमेश ने इससे पहले पहली पारी में 70 रन पर छह और एम्बुलदेनिया ने 94 रन पर दो विकेट लिए। रमेश को पूरी सीरीज में 15 विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया, जबकि उनके टीम के साथी धनंजय डी सिल्वा को दूसरी पारी में नाबाद शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार दिया गया।

वानखेड़े में चमके मयंक

अग्रवाल की सेंचुरी से मजबूत स्थिति में भारत

मुंबई

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया का स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर 221 रन रहा। ओपनर मयंक अग्रवाल 120 और विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा 25 के स्कोर पर नाबाद हैं। न्यूजीलैंड के लिए चारों विकेट एजाज पटेल के खाते में आए।

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए भारत ने अपने पहले चार विकेट सिर्फ 160 रनों के स्कोर पर गंवा दिए थे। 5वें विकेट के लिए मयंक और साहा के बीच 134 गेंदों पर 61 रनों की साझेदारी हो चुकी थी।

13 पारियों के बाद आया शतक

मयंक अग्रवाल ने 196 गेंदों पर अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक पूरा किया। उन्होंने 13 पारियों के बाद शतकीय पारी खेली। बता दें कि खराब फॉर्म के चलते मयंक को ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद प्लेइंग-XI से ड्रॉप कर दिया गया था और कानपुर टेस्ट से उन्होंने वापसी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में भी उनका प्रदर्शन फिका रहा था, लेकिन शुक्रवार को मयंक ने फॉर्म में वापसी करते हुए बढ़िया शतक जमाया।

अय्यर नहीं खेल सके बड़ी पारी

कानपुर में यादगार डेब्यू करने वाले श्रेयस अय्यर पहली पारी में 18 के स्कोर पर एजाज पटेल की गेंद पर आउट होकर मैदान से बाहर लौटे। आउट होने से पहले उन्होंने ओपनर मयंक अग्रवाल के साथ चौथे विकेट के लिए 106 गेंदों पर 80 रन जोड़े।

13 पारियों के बाद आया शतक

मयंक अग्रवाल ने 196 गेंदों पर अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक पूरा किया। उन्होंने 13 पारियों के बाद शतकीय पारी खेली। बता दें कि खराब फॉर्म के चलते मयंक को ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद प्लेइंग-XI से ड्रॉप कर दिया गया था और कानपुर टेस्ट से उन्होंने वापसी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में भी उनका प्रदर्शन फीका रहा था, लेकिन आज मयंक ने फॉर्म में वापसी करते हुए बढ़िया शतक जमाया।

मयंक -शुभमन ने 80 रन जोड़े

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए भारत की शुरुआत बढ़िया रही। पहले विकेट के लिए शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल ने 80 रन जोड़े। एजाज पटेल ने इस पार्टनरशिप पर ब्रेक लगाया। उन्होंने गिल (44) को पहली स्लिप में रॉस टेलर के हाथों कैच आउट कर कीवी टीम को पहली

कामयाबी दिलाई।

नंबर 3 और 4 शून्य पर आउट

भारत की पहली पारी में पुजारा और कोहली शून्य पर आउट हुए। भारतीय क्रिकेट इतिहास में ये सिर्फ तीसरा ऐसा मौका रहा, जब एक ही पारी में तीसरे और चौथे नंबर पर खेलने पर बल्लेबाज शून्य पर आउट हुआ हो। इससे पहले साल 1952 में इंग्लैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में पॉली उमरीगर और विजय हजारे जीरो पर आउट हुए थे, जबकि 1994 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेड़े टेस्ट में नयन मोंगिया और विनोद कांबली जीरो पर पवेलियन लौटे थे।

दो टेस्ट मैचों की सीरीज में चार कप्तान

132 सालों में पहली बार है, जब दो मैचों की टेस्ट सीरीज में चार कप्तान शामिल हुए हैं। पहली बार ये 1889 में हुआ था। दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच खेले गए टेस्ट सीरीज के दौरान चार कप्तान बने थे। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ओवेन डुनेल और विलियम मिल्टन थे तो वहीं, इंग्लैंड के कप्तान ऑब्रे स्मिथ और मोंटी बोडेनहुई थे। उस समय इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था।

विराट के विकेट पर विवाद

मुंबई। विराट के विकेट पर विवाद सा छिड़ गया है। एजाज पटेल की गेंद पर ऑनफील्ड अंपायर अनिल चौधरी ने उन्हें आउट करार दिया, लेकिन विराट ने बिना किसी देरी के डीआरएस ले लिया। थर्ड अंपायर ने काफी देर रिप्ले देखने के बाद ऑनफील्ड अंपायर के फैसले के साथ जाने का फैसला लिया। फैन्स अनिल चौधरी और थर्ड अंपायर

के फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं और खुद कप्तान विराट भी इस फैसले से काफी निराश दिखे। कोहली आउट होने के बाद जब पवेलियन के लिए लौट रहे थे, तो बाउंड्री लाइन पर पहुंचते ही उनका गुस्सा देखने को मिला।

कॉमन सेंस का होना चाहिए था इस्तेमाल

मैदानी अंपायर और थर्ड अंपायर वीरेंद्र शर्मा के इस फैसले पर हर किसी ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। पूर्व भारतीय ओपनर वसीम जाफर ने तो यहां तक कह दिया कि अंपायरों ने 'कॉमन सेंस' नहीं दिखाया। टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल का भी मानना था कि कोहली के खिलाफ गलत फैसला दिया गया।

बीसीसीआई की एजीएम में होगा

साउथ अफ्रीका दौरे पर फैसला

मुंबई

भारतीय टीम के साउथ अफ्रीका दौरे पर फैसला बीसीसीआई एजीएम के बाद लिया जाएगा, कोरोना के नए वेरिएंट के कारण भारत के इस दौरे पर संकट के बादल मंडरा रहे हैंभारत ए की टीम पहले ही साउथ अफ्रीका पहुंच चुकी है। बीसीसीआई की आम सभा की 90वीं सालाना बैठक के दौरान शनिवार को यहां कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन के प्रसार के बीच भारतीय क्रिकेट टीम के आगामी साउथ अफ्रीका दौरे पर फैसला लिया जायेगा। बैठक के 24 बिंदुओं के एजेंडे में भावी दौरा कार्यक्रम पर अपडेट भी शामिल है जिसमें इस पर बात की जायेगी। कहा जाता है कि ओमिक्रॉन

डेल्टा वैरिएंट की तुलना में तेजी से फैलता है। भारत सहित दुनिया भर में इसे लेकर चौकसी बरती जा रही है। यह वैरिएंट दक्षिण अफ्रीका से निकला है। टीम इंडिया को नौ दिसंबर को जोहानिसबर्ग रवाना होना है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि दौरा होगा या नहीं। भारतीय टीम को सात सप्ताह के दौरे पर तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी20 मैच खेलने हैं। यह सीरीज बैठक के आधिकारिक एजेंडे में नहीं है, लेकिन भावी दौरा कार्यक्रम पर बातचीत के दौरान इस पर चर्चा हो सकती है। इंग्लैंड दौरे पर सितंबर में भारतीय टीम टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे थी, लेकिन टीम बबल में कोरोना मामले आने के बाद आखिरी टेस्ट नहीं खेला जो अब जुलाई 2022 में होगा। इस समय भारत ए टीम साउथ अफ्रीका में ही है और उसे वापस नहीं बुलाया गया है। अपना सौवां टेस्ट खेलने की दहलीज पर खड़े भारतीय कप्तान विराट कोहली ने इस मसले पर स्पष्टता चाही है। उन्होंने कहा था कि टीम प्रबंधन बोर्ड के संपर्क में है और कुछ दिन में तस्वीर स्पष्ट हो जायेगी।

अपना तीसरा और अंतिम ग्रुप बी मैच हारे श्रीकांत

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स

बाली

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत शुक्रवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के पुरुष एकल स्पर्धा में अपना तीसरा और अंतिम ग्रुप बी मैच हार गए। कोर्ट 2 में हुए इस मुकाबले में मलेशियाई बैडमिंटन खिलाड़ी ली जी जिया ने श्रीकांत को सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 37 मिनट तक चला। इस हार के साथ ही किदांबी के टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना लगभग खत्म हो गई है। दुनिया के आठवें नंबर के मलेशियाई खिलाड़ी के हाथों श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। वह हाइलो ओपन में भी उससे हार गए थे। शुरूआत में श्रीकांत 3-0 से पीछे थे, लेकिन एक समय 9- 8 की बढ़त बना ली। ली ने

हालांकि ब्रेक तक दो अंक की बढ़त ले ली थी। श्रीकांत ने ब्रेक के बाद फिर 17-15 की बढ़त बनाई, लेकिन लय खोने के कारण पहला गेम गंवा दिया। दूसरे गेम में अच्छी शुरूआत करके 7- 3 का फायदा लिया, लेकिन ली ने फिर वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया।

दिल्ली बुल्स ने टीम अबुधाबी को 49 रन से हराया

अबुधाबी। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद की हैट्रिक के दम पर दिल्ली बुल्स ने अबुधाबी टी-10 टूर्नामेंट में 'टीम अबुधाबी' को 49 रन से शिकस्त देकर सत्र की सातवीं जीत दर्ज की। दिल्ली ने पांच विकेट पर 135 रन बनाने के 'टीम अबुधाबी' को निर्धारित 10 ओवर में आठ विकेट पर 86 रन ही बनाने दिए। इस जीत के साथ दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान में पहुंच गई है। 'टीम अबुधाबी' को शीर्ष दो में पहुंचने के लिए मैच में कम से कम 108 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम का स्कोर 10 गेंद के अंदर एक विकेट पर 41 रन से सात विकेट पर 67 रन हो गया। राशिद ने अपने दूसरे ओवर में खतरनाक लियाम लिविंगस्टोन (29), कोलिन इनग्राम (शून्य) और जैमी ओवरटन (शून्य) को लगातार गेंदों पर चलता किया।

एशियाई टीम स्क्वाश

भारतीय पुरुष टीम फाइनल में महिला टीम सेमीफाइनल में हारी

कुआलालंपुर

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में हांगकांग पर 2-0 की जीत के साथ 20 वीं एशियाई स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई तो वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त महिला टीम को अंतिम चार मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं को शीर्ष खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने सेमीफाइनल में टीम को शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

पुरूषों के मैच में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सौरव घोषाल ने 55 मिनट तक चले मैच के शुरुआती गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 10-12, 11-6, 11-6, 15-13 से जीत दर्ज करने के साथ फाइनल में टीम की जगह पक्की की। इससे पहले रमित टंडन ने हेनरी लायुंग को हराकर शानदार शुरुआत दी। भारतीय टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया से भिड़ेगी। मलेशिया ने एक अन्य सेमीफाइनल में जापान को 2-0 से हराया।

यह तीसरा अवसर है, जब भारतीय पुरुष टीम इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 1981 और 2012 में फाइनल में पहुंची थी। महिलाओं के सेमीफाइनल में चिनप्पा ने जीत दर्ज की, लेकिन सुनैना कुरुविला और उर्वशी जोशी को अपने-अपने मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

बिहार की श्रेयसी सिंह का शानदार प्रदर्शन,

लगातार दूसरे वर्ष बनी महिला ट्रैप राष्ट्रीय चैंपियन

पटियाला,एजेंसी। बिहार की श्रेयसी सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां 64वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी (शॉटगन) चैंपियनशिप में महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा का खिताब जीता। श्रेयसी ने इस स्पर्धा में लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। यह उनका कुल पांचवां व्यक्तिगत राष्ट्रीय खिताब और महिला ट्रैप में दूसरा खिताब है। राष्ट्रमंडल खेलों की मौजूदा चैंपियन श्रेयसी ने फाइनल में 34 अंक बनाये तथा वह मध्यप्रदेश की प्रगति दुबे (31) और ओएनजीसी की शगुन चौधरी (27) से आगे रही। महिलाओं के जूनियर ट्रैप में दिल्ली की आद्या त्रिपाठी ने फाइनल में 38 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली की ही दिव्या सिंह (36) दूसरे और भव्या त्रिपाठी (28) तीसरे स्थान पर रही।

केन विलियमसन कोहनी की चोट के कारण भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरे टेस्ट से बाहर

मुंबई,एजेंसी। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन बायीं कोहनी की तकलीफ फिर उभरने के कारण भारत के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरू हो रहा दूसरा और आखिरी टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। उनकी जगह टॉम लैथम टीम की कप्तानी करेंगे। विलियमसन को यह चोट पिछले एक साल से परेशान कर रही है। कोच गैरी स्टीड ने कहा कि कानपुर टेस्ट के दौरान चोट फिर से उभर आई और अभी तक ठीक नहीं हो सकी है। इसी वजह से उन्हें बाहर रखने का फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा,'' ऐसे बार बार उभरने वाली चोट से निपटना केन के लिये आसान नहीं है। हम साल भर इससे बचाव में कामयाब रहे और टी20 विश्व कप में भी। लेकिन अब टेस्ट क्रिकेट में अधिक बल्लेबाजी करनी पड़ती है जिससे चोट फिर उभर आई है।''

उन्होंने कहा ,'' अभी भी चोट ठीक नहीं हुई है। कानपुर टेस्ट तो उसने खेल लिया लेकिन यहां नहीं खेल सकेगा। यह साल चोट की वजह से उसके लिये कठिन रहा और अब हमें ऐसी रणनीति बनानी होगी कि चोट बार बार उसे परेशान नहीं करे। उसे आराम की जरूरत है।

मिशन ओलंपिक सेल : भूटिया, अंजु बॉबी, अंजलि भागवत, सरदार समेत 10 खिलाड़ी ओलंपिक सेल में शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पेरिस ओलंपिक और अगले वर्ष होने वाले एशियाई, राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों को ध्यान में

रखते हुए मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) में पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की संख्या दोगुनी कर दी है। ओलंपिक की तैयारियों के लिए जिम्मेदार टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) को चलाने वाली एमओसी में फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया, अंजु बॉबी जॉर्ज, अंजलि भागवत, सरदार सिंह समेत 10 पूर्व अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ठाकुर का कहना है कि पिछले ओलंपिक की तैयारियों के दौरान मिले अनुभव के आधार पर यह फैसला लिया गया है। इस दौरान एमओसी में पूर्व खिलाड़ियों से मिले सुझावों ने खिलाड़ियों की ओलंपिक की तैयारियों और कंपटीशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके चलते ओलंपिक में सात और पैरालंपिक में 19 पदक जीते गए।

नई एमओसी में भूटिया, अंजु, अंजलि, सरदार के अलावा तृप्ति मुरगुंडे, वीरेन रसक्वीन्हा, मालव श्राफ, मोनालीसा मेहता, एथलेटिक फेडरेशन के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला, आईओए अध्यक्ष नरेंदर बत्रा, कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष अजय सिंह, कार्यकारी निदेशक टीम्स साई, टॉप्स सीईओ, संयुक्त सीईओ, खेल मंत्रालय के निदेशक शामिल किए गए हैं। पिछली कमेटी में गोपीचंद, खजान सिंह, अभिषेक यादव, आदिल सुमारीवाला के अलावा अन्य खेल प्रशासक शामिल थे।

महिला फुटबॉल : भारतीय टीम की लगातार तीसरी हार, वेनेएजुला ने 1-2 से हराया

मनौस,एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को चार देशों के टूर्नामेंट के आखिरी मुकाबले में वेनेजुएला के हाथों 1-2 से शिकस्त का सामना करना

पड़ा। हार की हैट्रिक के साथ भारतीय टीम का अभियान खत्म हो गया। फीफा रैंकिंग में वेनेजुएला से एक स्थान नीचे 57वें स्थान पर काबिज भारतीय टीम पिछले दोनों मैच बड़ी टीमों से हारने के बाद जीत का स्वाद चखने की उम्मीद से उतरी थी। भारत की उम्मीदों पर हालांकि पानी फिर गया और पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद वेनेजुएला ने वापसी करके जीत दर्ज की। भारत को ग्रेस डांगमेइ ने 17वें मिनट में गोल करके बढ़त दिलाई और पहले हाफ तक यह कायम रही। दूसरे हाफ में वेनेजुएला ने शानदार वापसी की। उसके लिए मरियाना (50वें मिनट) और बारबरा (80वें मिनट) ने गोल किए। अगले महीने अपनी धरती पर होने वाले एएफसी एशियाई कप की तैयारी में जुटी भारतीय टीम को चिली और ब्राजील ने भी हराया था। एशियाई कप 20 जनवरी से छह फरवरी तक खेला जाना है।

अंडर-19 विश्व कप में पाकिस्तान की अगुआई करेंगे कासिम अकरम

कराची,एजेंसी। युवा आलराउंडर कासिम अकरम अगले साल वेस्टइंडीज में होने वाले आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में पाकिस्तान की अगुआई करेंगे। जूनियर मुख्य चयनकर्ता सलीम जाफर ने कहा, ''हमने ऐसे खिलाड़ियों की पहचान और चयन किया है जिनमें ना सिर्फ इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है बल्कि उनका भविष्य भी उज्जवल है।'' पाकिस्तान 2003 और 2005-06 में लगातार दो अंडर-19 विश्व कप जीतने के बाद से दोबारा यह खिताब नहींजीत पाया है। दक्षिण अफ्रीका में 2020 की शुरुआत में पिछला विश्व खिताब बांग्लादेश ने जीता था। पाकिस्तान की टीम में चुने गए चार खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका में पिछले विश्व कप में भी टीम का हिस्सा थे जिसमें कासिम के अलावा सलामी बल्लेबाज अब्दुल वाहिक बंगालजई और मोहम्मद शहजाद

तथा मध्यक्रम के बल्लेबाज इरफान खान नियाजी शामिल हैं। पाकिस्तान शाहीन्स और अंडर-19 कोच इजाज अहमद विश्व कप और एशिया कप में सहयोगी स्टाफ के प्रमुख होंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आर्सेनल को 3-2 से दी शिकस्त

लंदन, एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में गुरुवार को आर्सेनल पर 3-2 की रोमांचक जीत दर्ज की।

रोनाल्डो ने इस दौरान शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में अपने 800 गोल पूरे किये। रोनाल्डो ने मैच के 52वें मिनट में गोल कर क्लब और देश के लिए मिलाकर 800 गोल के आंकड़े को पूरा किया। उन्होंने इसके बाद 70वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले एमिल स्मिथ ने 14वें और मार्टिन ओडेगार्ड ने 54वें मिनट में आर्सेनल के लिए जबकि ब्रुनो फर्नांडेस ने 44वें मिनट में मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए गोल किया था। मैनचेस्टर की टीम ने जर्मनी के दिग्गज कोच राल्फ रेंगनिक के आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभालने से पहले यह जीत दर्ज की। पिछले महीने 21 तारीख को ओले गुनार सोल्सकर को बर्खास्त किए जाने के बाद पूर्व खिलाड़ी माइकल केरिक मैनचेस्टर युनाईटेड के प्रभारी की भूमिका निभा रहे थे। केरिक ने प्रभारी रहते टीम ने तीन मैच खेले लेकिन उसे किसी में भी हार का सामना नहीं करना पड़ा।